■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 126 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 01-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : नीतीश कुमार
6 जगमोहन नाथः तीन युद्ध लड़े, दो बार बने महावीर चक्र विजेता
7 कैटरीना कैफ को अपनी स्टाइल टीम का सूबेदार मानते हैं विक्की कौशल

फर्स्ट टेक

मातृ मृत्युः कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए, औषधि नियंत्रक निलंबित

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बल्लारी जिले में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को राज्य के विभिन्न अस्पतालों में ऐसी घटनाओं की जांच करने समेत औषधि नियंत्रक को निलंबित करने के आदेश दिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों को दो-दो लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। इस चिंता के बीच कि मातृ मृत्यु का संबंध घटिया 'रिंगर लैक्टेट सॉल्यूशन' से हो सकता है, उन्होंने औषधि नियंत्रक को निलंबित करने और सॉल्यूशन की आपूर्ति करने वाली पश्चिम बंगा फार्मास्युटिकल लिमिटेड को काली सूची में डालने का आदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कंपनी पर मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने आज बल्लारी में मातृ मृत्यु को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। जिले में इस माह चार महिलाओं की मौत हो चुकी है।

शिवपुरी में सिंधिया के कार्यक्रम के दौरान मधुमक्खियों ने हमला किया

शिवपुरी/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य लोगों पर शनिवार को मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक कार्यक्रम के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया, जिसके बाद उनके आसपास के लोगों ने उन्हें घेर लिया और रुमाल और तौलिये से ढक कर उनका बचाव किया। माधव राष्ट्रीय उद्यान के चांदपाठा झील में इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना में घायल हुए कोतवाली थाने के अधिकारी कृपाल सिंह ने बताया कि केंद्रीय मंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उनके चारों ओर घेरा बना लिया और उन्हें मधुमक्खियों से बचाने के लिए रुमाल और तौलिये का इस्तेमाल किया।

इजराइल का दावा : सीरिया में हिजबुल्ला के हथियार तस्करी के ठिकानों पर हमले किये

तेल अवीव/एजेन्सी। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसके लड़ाकू विमानों ने लेबनान के साथ सीरिया की सीमा पर हिजबुल्ला के हथियार तस्करी स्थलों पर हमले किये। ये हमले ऐसे समय किये गए हैं जब कई दिनों से इजराइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम लागू है। इसकी वजह से दोनों पक्षों के बीच महीनों से चल रही लड़ाई रुकी थी, लेकिन छिटपुट गोलीबारी जारी है। इजराइल की सेना ने बताया कि उसने युद्ध विराम लागू होने के बाद उन स्थलों पर हमला

01-12-2024 सूर्यास्त 5:40 बजे	02-12-2024 सूर्योदय 6:16 बजे
BSE 79,802.79 (+759.05)	NSE 24,131.10 (+216.95)
सोना 7,981 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 98,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मैं ढूंढ रहा हूं

वैज्ञानिक ढूंढ रहे तन की,
जैविक चाबी के सूत्र आज।
नेतागण ढूंढ रहे मन की,
बातों से ही सारे इलाज।
बाजार ढूंढता उस धन को,
जिस पर ना हो कर और ब्याज।
मैं ढूंढ रहा हूं उस जन को,
ना चाहे छत कपड़ा अनाज।।

महिलाओं को आगे आकर केंद्र की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मधुबनी (बिहार)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं से आगे आने और केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठाने का शनिवार को आग्रह किया ताकि वे अधिक सक्षम और सशक्त बन सकें।

सीतारमण मधुबनी में आयोजित 'क्रेडिट आउटरीच' कार्यक्रम में बोल रही थीं, जहां विभिन्न बैंकों द्वारा 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपए के ऋण प्रदान किए गए। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी कहते हैं कि देश के हर गांव में एक 'लखपति दीदी' होनी चाहिएऔर इसके लिए बैंकों ने महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।''

सीतारमण ने कहा, ''बिहार में प्रत्येक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मैं महिलाओं से आग्रह करती हूं कि वे केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का हिस्सा बनें... ताकि वे अधिक सक्षम और सशक्त बन सकें।'' उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

वित्त मंत्री ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री का मानना है कि भारत के विकास का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए। राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है...गरीब, महिला, युवा और किसान सरकार की शीर्ष चार प्राथमिकताएं हैं। प्रधानमंत्री बिहार का उदाहरण देते हैं और कहते हैं कि अन्य राज्यों को भी विकास और वृद्धि के उसी रास्ते पर चलना चाहिए।''

कार्यक्रम के दौरान सीतारमण ने लोगों को मैथिली और संस्कृत भाषा में संविधान की प्रतियां भी वितरित कीं।

उन्होंने मधुबनी के सौराठ क्षेत्र में मिथिला चित्रकला संस्थान का दौरा किया और मिथिला चित्रकला और टेराकोटा कला में विशेषज्ञता रखने वाले कलाकारों से बातचीत की।

चक्रवात 'फेंगल' ने दी दस्तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। चक्रवाती तूफान 'फेंगल' ने पुडुचेरी के निकट दस्तक दे दी है और इसे तट को पूरी तरह पार करने में लगभग चार घंटे का समय लग सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आईएमडी-क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अतिरिक्त महानिदेशक एस बालचंद्रन ने आंकड़ों और अवलोकन का हवाला देते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चक्रवात के पहुंचने की प्रक्रिया 30 नवंबर को शाम करीब 5.30 बजे शुरू हुई।

चक्रवात ने किस जगह दस्तक दी है, इस बारे में उन्होंने बताया कि यह 'पुडुचेरी क्षेत्र' के करीब है और पहुंचने की प्रक्रिया पूरी होने में लगभग चार घंटे लग सकते हैं।

शाम 7.35 बजे अद्यतन सूचना में आईएमडी ने कहा, ''नवीनतम अवलोकन से संकेत मिलता है कि चक्रवात कुछ हद तक तट को पार कर चुका है। इसके पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ने और पुडुचेरी के करीब कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों को पार करने की संभावना है।''

आईएमडी ने कहा कि अगले तीन से चार घंटों के दौरान 70-80 किमी प्रति घंटे की हवा की गति के साथ यह चक्रवाती तूफान 90 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकता है।

आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान तट से लगभग 40 किलोमीटर दूर, महाबलीपुरम (तमिलनाडु) से 50 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, पुडुचेरी से 60 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व और चेन्नई से 90 किलोमीटर दक्षिण में है।

चेन्नई में करंट लगने से तीन लोगों की मौत

चेन्नई/एजेन्सी। तमिलनाडु में चेन्नई शहर और अन्य जिलों में भारी बारिश के कारण शनिवार को शहर में चक्रवाती तूफान फेंगल से संबंधित घटनाओं में तीन लोगों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। राज्य के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने चक्रवाती तूफान की स्थिति की समीक्षा करने के बाद आज रात पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि चेन्नई शहर में बिजली का करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन उनके परिवारों को पर्याप्त राहत देने की घोषणा करेंगे।

चेन्नई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन रुका, विमानन कंपनियों ने उड़ानें रद्द कीं

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के परिणामस्वरूप तेज हवाएं चलने और भारी बारिश के कारण शनिवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन रोक दिया गया। हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द हो गईं और सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए। भारी बारिश के कारण हवाई अड्डे के कुछ हिस्से जलमग्न हो गए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''चक्रवाती तूफान 'फेंगल' और पूर्वानुमानित तेज हवाओं के मद्देनजर विमानन कंपनियों द्वारा व्यक्त की गईं सुरक्षा चिंताओं के बाद चेन्नई हवाई अड्डे का संचालन 30.11.2024 (आज) को 12:30 बजे से 19:00 बजे तक निलंबित रहेगा। हम यात्रियों को सलाह देते हैं कि वे अपनी उड़ानों के बारे में अपनी संबंधित एयरलाइन से जानकारी लें।'' इंडिगो ने शाम 6.06 बजे 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चेन्नई में मौसम में सुधार नहीं हुआ है और शहर से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं।

इंडिगो ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''हम आपको जानकारी उपलब्ध कराने के लिए लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं।'' इससे पहले दिन में एयरलाइन ने कहा था कि शहर से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इंडिगो 38 घरेलू और 11 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 120 से अधिक सीधी उड़ानें संचालित करती है।

'गुंडाराज' पर किया प्रहार तो खूब आ रहा निवेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रदेश में माफिया, गुंडाराज और भ्रष्टाचार पर किए गए प्रहार का ही परिणाम है कि आज यहां खूब निवेश आ रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी लगातार बढ़ रहे हैं।

योगी शनिवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 35वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने गीडा के विभिन्न क्षेत्रों में अवसंरचना विकास के लिए 209 करोड़ रुपए की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने 1068 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश के लिए आवंटित 85 भूखंडों में से पांच निवेशकों को आवंटन प्रमाण पत्र भी सौंपा।

योगी ने गीडा स्थित 'नाइलिट कैम्पस' से कौशल विकास का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए और निवेश मित्र पोर्टल पर एकीकृत होने वाली गीडा की 20 सुविधाओं की शुरुआत की। साथ ही प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत दस निवेशकों को कुल 300 करोड़ रुपए के निवेश प्रोत्साहन के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा का बेहतरीन माहौल देकर निवेश प्राप्त करने वाला देश का अग्रणी राज्य है तथा उप्र में निवेशकों और उनकी पूंजी की सुरक्षा की गारंटी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश का बेहतरीन गंतव्य बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा के बेहतरीन माहौल, कारोबारी सुगमता, शानदार सड़कें, रेल, हवाई संपर्क और उद्योगों की मांग के अनुरूप सुदृढ़ लैंड बैंक के चलते आज प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर निवेश के धरातल पर उतरने का मतलब डेढ़ करोड़ नौजवानों को रोजगार की गारंटी है।

बांग्लादेश में दो और हिंदू ब्रह्मचारी गिरफ्तार : इस्कॉन

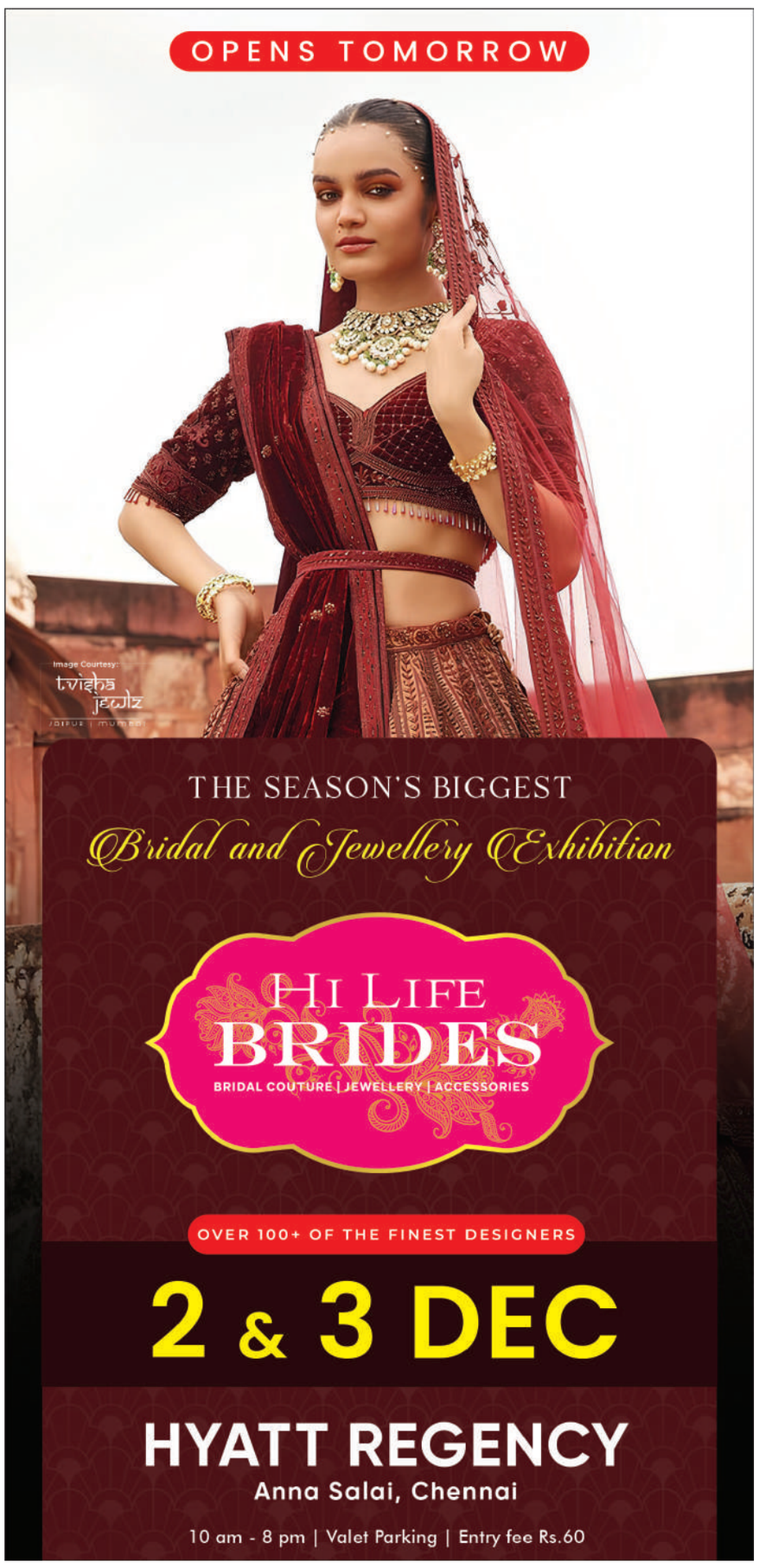

कोलकाता/भाषा। अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन), कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने शनिवार को दावा किया कि बांग्लादेश में दो और हिंदू ब्रह्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। राधारमण ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''मुझे जानकारी मिली है कि बांग्लादेश में पुलिस ने इस्कॉन के दो और ब्रह्मचारियों को गिरफ्तार किया है।'' राधारमण ने शुक्रवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस बीच, बुरी खबर आई है: चिन्मय प्रभु के लिए प्रसाद लेकर गए दो ब्रह्मचारियों को मंदिर लौटते समय गिरफ्तार कर लिया गया, और चिन्मय प्रभु के सचिव भी लापता हैं। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें।'' इससे पहले, राधारमण ने पोस्ट किया था, ''एक और ब्रह्मचारी, श्री श्याम दास प्रभु को आज चटोग्राम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।'' राधारमण ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''क्या वह आतंकवादी जैसा दिखते हैं? बांग्लादेश के इस्कॉन के निर्दोष ब्रह्मचारियों को रिहा किया जाए।

हिंदुओं पर अत्याचार तुरंत रोके बांग्लादेश

हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जेल से रिहा करे : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत और वैश्विक समुदाय तथा संस्थाओं को बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ इस महत्वपूर्ण समय में खड़ा होना चाहिए तथा अपना समर्थन व्यक्त करना चाहिए। वैश्विक शांति और भाईचारे के लिए यह आवश्यक है।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह सुनिश्चित करने की शनिवार को अपील की कि हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो और हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जेल से तत्काल रिहा किया जाए।

आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने एक बयान में भारत सरकार से अपील की कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को रोकने के लिए अपने प्रयास जारी रखे तथा उनके प्रति समर्थन में वैश्विक राय बनाने के लिए ''जल्द से जल्द'' आवश्यक कदम उठाए।

उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं, महिलाओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा किए गए हमलों, हत्याओं, लूटपाट, आगजनी और अमानवीय अत्याचार की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी निंदा करता है।'' होसबाले ने कहा कि मौजूदा बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां इन्हें रोकने के बजाय केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं।

आरएसएस महासचिव ने कहा, ''बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ अन्याय और अत्याचार का एक नया दौर उभरता हुआ प्रतीत हो रहा है ताकि आत्मरक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही उनकी आवाज को दबाया जा सके।'' उन्होंने कहा, इस तरह के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास को जेल भेजना बांग्लादेश सरकार का अन्याय है। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह चटगांव जा रहे थे।

सहज स्मृति योग

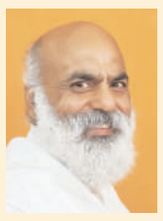

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, कृपा क्या है ? इसका क्या कोई प्रमाण है कि कृपा होती है ? कृपा करने में कौन समर्थ है ? इसका यथार्थ अधिकारी कौन है ? जन सामान्य से लेकर प्रकांड वैज्ञानिक विद्वान तथा साधु संत तक सब इस शब्द का प्रयोग करते देखे जाते हैं।

उत्तर : पहली बात तो यह समझिए कि इन चारों शब्दों के संदर्भ विलग-विलग हैं।इसलिए वे उन्हीं संदर्भों और प्रसंगों में उद्धृत किए जाने चाहिएँ जिन संदर्भों और प्रसंगों में और जिस काल खंड में पहली बार उद्धृत किए गए थे, अन्यथा समझने की कोशिश में शोधार्थी समझने के बजाय और भी अधिक भ्रमीभूत हो सकते हैं।

धर्म,रिलीजन, मज़हब,पंथ आदि को पर्यायवाची की तरह उपयोग में लाने से पहले ही से वैश्विक मानव समाज में इतना भ्रम फैला हुआ है कि उसका वर्णन निवारण करने में ही उम्र बीत जाए। क्रम और विधि के विस्मरण से ही जगत में भ्रम (अनाचार) फैला हुआ है। यदि गुरु और शिष्य दोनों अपने यथार्थ सम्बन्ध की मर्यादा भूल कर व्यवहार करने लग जाएँ तो फिर सर्वनाश को कौन रोकने में समर्थ होगा? और यदि गुरु शिष्य मर्यादा का अनुशासन सनातन वर्तमान बना रहे तो फिर विश्व-कल्याण कौन रोक सकता है? हम भ्रम फैलाने के कारक न बनें, इसीलिए, यहाँ केवल कृपा शब्द की ओर संक्षिप्त संकेत करते हैं अन्य शब्दों को अन्य अवसर के लिए छोड़ देते हैं। जिस किसी भी जिज्ञासु/शोधार्थी/मुमुक्षु को अपनी मानव जीवनावधि में परम तत्व का साक्षात्कार हो जाता है, कृपा क्या है, इसे करने में कौन समर्थ है, कौन अधिकारी है, वे स्वयं ही इसके प्रमाण हो जाते हैं और उनके सत्संग में हम सब भी वही अनुभूति हो/पा सकते हैं। कृपा का आख्यान-व्याख्यान नहीं किया जाता। बस कृत् कृत्य होने तक कृतज्ञता व्यक्त की जाती है वह भी स्वार्थवश ताकि अहंकार से हमारा अधः पतन न होने पाए। क्योंकि बिना कृपा हुए कृपा को जाना नहीं जा सकता है और जान जाने पर कृपा हुए बिना रहा नहीं जा सकता है। उस अवस्था में द्वैत असम्भव हो जाता है।

भोपाल गैस त्रासदी : गंभीर रूप से बीमार लोगों को अधिक मुआवजे के लिए शीर्ष अदालत में याचिका दायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक आपदा भोपाल गैस त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए काम करने वाले चार संगठनों ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कैंसर और किडनी विकारों से ग्रस्त पीड़ितों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है। दो और तीन दिसंबर 1984 की मध्य रात्रि में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस के रिसाव के बाद कुल 5,479 लोग मारे गए थे और पांच लाख से अधिक लोग शारीरिक रूप से प्रभावित हुए थे।

'भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन' की रचना ढींगरा ने यहां संवाददाताओं से कहा, पीड़ितों को दिए गए मुआवजे में हुए अन्याय को दूर करने के लिए दो दिन पहले याचिका दायर की गई है। हमें उम्मीद है कि इस पर तीन दिसंबर को सुनवाई होगी, जो भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं वर्षगांठ है। उन्होंने कहा कि याचिका में कैंसर और किडनी की बीमारियों से पीड़ित उन लोगों के लिए अतिरिक्त मुआवजे की मांग की गई है, जिनके स्वास्थ्य को गैस के संपर्क में आने से हुए नुकसान को गलत तरीके से अस्थायी श्रेणी में रखा गया है।

ढींगरा ने आरोप लगाया, यूनियन कार्बाइड के अपने दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 'मिथाइल आइसोसाइनेट' के संपर्क में आने से स्वास्थ्य को होने वाली क्षति स्थायी प्रकृति की है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आधिकारिक एजेंसी ने मुआवजे के 93 प्रतिशत दावों को अस्थायी क्षति के तौर पर माना और गैस पीड़ितों को अपर्याप्त मुआवजा मिलने के पीछे यही मुख्य कारण है। सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत दायर आवेदनों के माध्यम से प्राप्त जानकारी साझा करते हुए, भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संगठन की अध्यक्ष रशीदा बी ने कहा, आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, कैंसर से ग्रस्त 11,278 पीड़ितों में से 90 प्रतिशत और घातक किडनी रोगों से ग्रस्त 1,855 पीड़ितों में से 91 प्रतिशत को अनुग्रह राशि के अलावा मुआवजे के रूप में केवल 25,000 रुपये मिले हैं।

भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के बालकृष्ण नामदेव ने दावा किया कि उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डॉ. एस. मुरलीधर ने शीर्ष न्यायालय में चारों गैर सरकारी संगठनों की याचिका प्रस्तुत करने पर सहमति व्यक्त की है। भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने 1991 और 2023 के उच्चतम न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए दावा किया कि शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को मुआवजे में किसी भी तरह की कमी को केंद्र सरकार द्वारा पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'कमी के स्पष्ट मामले को सुधारने के लिए कैंसर और घातक किडनी रोगों से पीड़ित जीवित लोगों के लिए कम से कम पांच लाख रुपये के अतिरिक्त मुआवजे के लिए हमने याचिका दायर की है।'

अमेरिका में तेलंगाना के एक छात्र की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के खम्मम जिले के एक युवक की अमेरिका में पेट्रोल पंप पर बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह वहां काम करता था। परिवार के सदस्यों ने शनिवार को यह जानकारी दी। तेलंगाना विधान परिषद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्य मधुसूदन थाथा ने अमेरिका से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के हवाले से बताया कि साईं तेजा नुकारापु (22) को भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात शिकागो के निकट पेट्रोल पंप पर हमलावरों ने गोली मार दी।

मधुसूदन ने खम्मम के निकट स्थित अपने आवास पर पीड़िता के माता-पिता से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि घटना के समय साईं तेजा ड्यूटी पर नहीं थे, बल्कि एक दोस्त की मदद कर रहे थे, जिसने उन्हें कुछ समय के लिए रुकने के लिए कहा था। दोस्त किसी काम से बाहर गया हुआ था। साई तेजा के परिवार के एक सदस्य ने मीडिया को बताया कि उसने भारत में बीबीए की पढ़ाई की थी और वह अमेरिका में एमबीए कर रहा है और वहां अंशकालिक काम कर रहा था।

उन्होंने बताया कि यह जानकर दुख हुआ कि साई तेजा की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह अपने दोस्त की मदद करने के लिए काम पर रुका था। विधान पार्षद ने कहा कि उन्होंने इस घटना में मदद के लिए तेलुगु एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (टीएएनए) के सदस्यों से बात की है।

महाराष्ट्र में चुनावी तंत्र को नियंत्रित करने के लिए सत्ता और धन का दुरुपयोग हुआ : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में पूरे चुनावी तंत्र को नियंत्रित करने के लिए सत्ता और धन का दुरुपयोग हुआ जो पहले कभी किसी विधानसभा या राष्ट्रीय चुनाव में हीं देखा गया। पवार ने यह बयान सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव से मुलाकात के दौरान दिया। आढाव महाराष्ट्र में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में कथित रूप से ''ईवीएम के दुरुपयोग'' के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

आढाव (90) ने बृहस्पतिवार को समाज सुधारक ज्योतिबा फुले के पुणे स्थित निवास 'फुले वाडा' में अपना तीन दिवसीय प्रदर्शन शुरू किया। विपक्षी महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) ने हाल में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इस चुनाव में महायुति को भारी जीत मिली है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने 288 सीट में से 230 सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) के विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) ने सामूहिक रूप से केवल 46 सीट जीतीं। पवार ने पत्रकारों से कहा कि कुछ नेताओं ने ईवीएम में वोट डाले जाने के संबंध में जो दावे किए हैं उनमें कहीं न कहीं कुछ सच्चाई है, लेकिन उनके पास इन दावों को साबित करने के लिए पुख्ता सबूत नही है। उन्होंने कहा, ''लोगों में यह सुगबुगाहट है कि महाराष्ट्र में हाल में हुए चुनाव में सत्ता का दुरुपयोग' और बड़ी मात्रा में धन का इस्तेमाल' हुआ जो पहले कभी नहीं देखा गया। स्थानीय स्तर के चुनावों में ऐसी बातें सुनने को मिलती हैं, लेकिन धन की मदद से पूरे चुनावी तंत्र पर कब्जा और सत्ता का दुरुपयोग पहले कभी नहीं देखा गया। बहरहाल, हमने महाराष्ट्र में ऐसा देखा और लोग अब बेचैन हैं।'' पवार ने कहा कि लोग दिवंगत समाजवादी विचारक जयप्रकाश नारायण को याद कर रहे हैं और उन्हें लगता है कि किसी को आगे आकर कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने सुना कि बाबा आढाव ने इस मुद्दे पर अगुवाई की है और वह फुले वाडा में आंदोलन कर रहे हैं।

भारत के लोग 'होप' में जी रहे, प्रधानमंत्री 'हाइप' बनाने में लगे हैं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भारत के विकास में मंदी है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रचार-प्रसार में लगे हुए हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि जीडीपी वृद्धि के तिमाही आंकड़ों से पता चलता है कि निजी निवेश सुस्त बना हुआ है तथा मध्यम और दीर्घकालिक आर्थिक क्षमता तेज़ी से ख़त्म हो रही है। उन्होंने कहा कि स्थिति का मूल कारण श्रमिकों की मजदूरी में वृद्धि नहीं होना है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जुलाई से सितंबर 2024 के लिए कल शाम जारी किए गए जीडीपी विकास के आंकड़े अनुमान से कहीं अधिक ख़राब हैं। भारत में 5.4 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज़ की गई है और खपत में वृद्धि भी महज 6 प्रतिशत है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री और उनके ''चीयरलीडर्स'' जानबूझकर इस मंदी के कारणों को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं, लेकिन एक अग्रणी वित्तीय सूचना सेवा कंपनी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की लेबल डायनामिक्स ऑफ इंडियन स्टेट्स' नामक एक नयी रिपोर्ट इसके वास्तविक कारण का खुलासा करती है, जो कि स्थिर मजदूरी है। रमेश ने कहा, रिपोर्ट में यह दिखाने के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण डेटा का इस्तेमाल किया गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर समग्र वास्तविक वेतन (प्रत्येक राज्य में महंगाई के लिए समायोजित करके) वृद्धि पिछले पांच वर्षों में 0.01 प्रतिशत पर स्थिर रही है।

अभिनेता शरद कपूर पर महिला से बदसलूकी का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता शरद कपूर के खिलाफ यहां पश्चिमी उपनगर स्थित अपने घर में एक महिला के साथ दुर्व्यवहार करने और उसे अनुचित तरीके से छूने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि कथित घटना इस सप्ताह की शुरुआत में अभिनेता के खार स्थित आवास पर हुई। उन्होंने बताया कि 32 वर्षीय महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि कपूर ने उसे फिल्म की शूटिंग के बारे में बात करने के बहाने घर बुलाया था। अधिकारी ने बताया कि आरोप है कि अभिनेता ने महिला को अपने शयनकक्ष में बुलाया, उसके साथ बदसलूकी की और उसे अनुचित तरीके से छुआ।

अजित पवार ने आढाव से की मुलाकात, ईवीएम का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के निवर्तमान उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव से हालिया राज्य चुनावों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के खिलाफ उनका विरोध प्रदर्शन वापस लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि फैसले को स्वीकार किया जाना चाहिए।

आढाव (95) के बगल में बैठे हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति ने लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया था, लेकिन उसने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर सवाल नहीं उठाया। पवार ने कहा, लोकसभा चुनाव में महा विकास आघाडी ने (महाराष्ट्र की 48 में से) 31 सीट जीतीं, जबकि हमें 17 सीट मिलीं। हमने लोगों के जनादेश को स्वीकार किया। हमने जनादेश स्वीकार किया। हमने ईवीएम पर कोई आरोप नहीं लगाया। बारामती में मेरी उम्मीदवार (पत्नी सुनेत्रा पवार) 1.4 लाख से ज्यादा मतों से हारीं, जबकि विधानसभा चुनाव में मैं एक लाख मतों से जीता।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले के इस दावे के बारे में कि मतदान समाप्त होने से ठीक पहले मतदान प्रतिशत अचानक बढ़ गया, पवार ने कहा कि यह मतदाताओं पर निर्भर है कि वे मतदान के लिए कब बाहर निकलें। उन्होंने हालाँकि इस बात पर सहमति जताई कि इस पर चर्चा की जरूरत है। पवार ने कहा, मैं इस बात से सहमत हूं कि इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए और यदि कोई समाधान नहीं निकलता है, तो अदालतों में जाया जा सकता है... यहां तक ङ्कङ्कि उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता जब हारते हैं, तो ईवीएम को दोष देते हैं, लेकिन जब वे जीतते हैं, तो कोई आरोप नहीं लगाते हैं। भाजपा की सहयोगी पार्टी ने कहा कि वह निश्चित रूप से केंद्र के मंत्रियों से इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने का आग्रह करेंगे।

उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने ईवीएम के बारे में आरोप लगाए हैं, लेकिन आज तक कोई भी यह साबित नहीं कर पाया है कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। पवार ने आढाव से उनका विरोध प्रदर्शन समाप्त करने का आग्रह किया। राकांपा प्रमुख ने कहा, आंदोलन करना उनका विशेषाधिकार है, लेकिन मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे इसे समाप्त कर दें।

राज ठाकरे और उद्धव ही कर सकते हैं हाथ मिलाने का फैसला : दानवे

छत्रपति संभाजीनगर /भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता अंबादास दानवे ने शनिवार को कहा कि केवल उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ही यह तय कर सकते हैं कि वे दोनों हाथ मिलाना चाहते हैं या नहीं। दानवे ने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की राजनीतिक स्थिति अस्पष्ट है और लोग यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वह राज्य सरकार का समर्थन कर रहे हैं या विरोध।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष दानवे ने संवाददाताओं से कहा, हर चुनाव में हार के बाद ऐसी चर्चाएं होती हैं (कि ठाकरे भाइयों को एक साथ आना चाहिए)। चुनाव के नतीजे आने के बाद हर आठ या दस दिन में आपको ये चर्चाएं देखने को मिलेंगी। केवल वे (ठाकरे बंधु) ही तय कर सकते हैं कि वे (एक साथ आना) चाहते हैं या नहीं। हमारी कोई भूमिका नहीं है।

चुनाव नतीजे जनता की इच्छा के खिलाफ आने के कारण महाराष्ट्र आठ दिनों से बिना मुख्यमंत्री के : राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में आए अप्रत्याशित जनादेश के कारण पिछले आठ दिनों से मुख्यमंत्री के चयन में देरी हो रही है। हालिया राज्य विधानसभा चुनाव में महायुति ने 288 सीट में से 230 पर जीत दर्ज की है। राउत ने संकेत दिया कि महायुति में मतभेद के कारण कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सरकार गठन के प्रयासों के बीच सतारा जिला स्थित अपने गांव जाना पड़ा।

शिंदे के अपने पैतृक गांव चले जाने के कारण शुक्रवार को होने वाली महायुति की महत्वपूर्ण बैठक स्थगित कर दी गई, जिससे चुनाव नतीजे घोषित होने के एक सप्ताह बाद भी सरकार गठन में देरी हो रही है। राउत ने कहा, ''नतीजे घोषित हुए आठ दिन बीत चुके हैं लेकिन महाराष्ट्र को मुख्यमंत्री नहीं मिल पाया है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री (एकनाथ शिंदे) अपने गांव चले गए हैं। ऐसा क्यों हो रहा है?...नतीजे अप्रत्याशित और लोगों की इच्छा के विपरीत हैं। पूरे राज्य में आंदोलन हो रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान के अंतिम घंटों में डाले गए मतों की संख्या में अचानक हुई वृद्धि महाराष्ट्र और हरियाणा में क्रमशः महायुति और भाजपा नीत गठबंधन की जीत में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी।

आईआईएम, अहमदाबाद ने प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव पर 3 केस स्टडी जारी कीं

अहमदाबाद। आईआईएम, अहमदाबाद ने बीएपीएस के प्रमुख स्वामी महाराज शताब्दी महोत्सव पर केस स्टडी जारी की हैं। दी गई जानकारी के अनुसार, इस संस्थान ने प्रमुख स्वामी महाराज नगर (पीएसएम नगर) पर तीन महत्त्वपूर्ण केस स्टडी की हैं। इनमें बताया गया है कि नौ महीनों में बने एक ऐसे शहर से दुनिया क्या सीख सकती है, जिसने 1.2 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं व आगंतुकों की आवभगत की।

28 नवंबर को बीएपीएस के आध्यात्मिक प्रमुख महंत स्वामी महाराज द्वारा सार्वजनिक की गईं ये स्टडी अब आईआईएम, अहमदाबाद की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इनसे नेतृत्व, प्रबंधन और बड़े स्तर पर प्रोजेक्ट को पूरा करने के संबंध में उल्लेखनीय जानकारी मिलेगी। प्रो. विशाल गुप्ता, प्रो. सरल मुखर्जी और प्रो. चेतन सोमन द्वारा लिखित इन स्टडीज़ में प्रमुख स्वामी महाराज नगर की योजना और क्रियान्वयन का पता लगाया गया है, जो शताब्दी समारोह के लिए बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा निर्मित 600 एकड़ का सांस्कृतिक स्थल है। प्रो. विशाल गुप्ता ने इस आयोजन के अनूठे पैमाने पर प्रकाश डाला, जिसमें असाधारण जन प्रबंधन, सेवा अभिविन्यास और नेतृत्व सिद्धांतों का प्रदर्शन किया गया था। प्रो. सरल मुखर्जी और प्रो. चेतन सोमन ने इस मेगा-प्रोजेक्ट के डिजाइन और कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तरह के विशाल उपक्रम को सक्षम बनाने में बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स, स्थिरता और टेक्नोलॉजी की भूमिका के लिए नए दृष्टिकोण पर जोर दिया। इन स्टडीज की तुलना हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा कुंभ मेले पर की गई केस स्टडी से की जा रही है। आईआईएम, अहमदाबाद की ये केस स्टडी अब सुलभ हैं। ये लीडरशिप और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के बारे बहुमूल्य जानकारी पाने और उनसे सीखने के लिए बेहतरीन स्रोत हैं।

चक्रवात फेंगल : आंध्र प्रदेश के दक्षिणी भागों में भारी बारिश की आशंका

अमरावती/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को दक्षिणी तटीय और रायलसीमा क्षेत्रों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई है, जबकि आंध्र प्रदेश के एसपीएसआर-नेल्लोर, तिरुपति और चित्तूर जिलों में एक या दो स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात फेंगल के कारण दक्षिण तटीय और रायलसीमा में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। रविवार को प्रकाशम, एसपीएसआर-नेल्लोर, वाईएसआर कडप्पा, अन्नामय्या, तिरुपति और चित्तूर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

भाजपा लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन नहीं करती : कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। चुनावी जीत के बाद पहली बार केरल के दो-दिवसीय दौरे पर पहुंचीं वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को भाजपा पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह राजनीतिक लड़ाई में भी सामान्य लोकतांत्रिक मानदंडों का पालन नहीं करती। प्रियंका ने भाजपा के व्यवहार की तुलना जुलाई में वायनाड में हुए भूस्खलन से की और कहा कि प्राकृतिक आपदा की तरह भाजपा का आचरण किसी नियम और किसी लोकतांत्रिक मानदंड का पालन नहीं करता, जिनका आमतौर पर राजनीतिक लड़ाई में पालन किया जाता है।

यहां मुक्कम में अपने भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, आज हम (भाजपा से) जिन राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, वे भूस्खलन की तरह हैं। उनका कोई नियम नहीं हैं। (केंद्र में) सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा का व्यवहार किसी भी लोकतांत्रिक मानदंड का पालन नहीं करता, यहां तक ङ्कङ्कि उन मानदंडों को भी नहीं जिनका हम आम तौर पर राजनीतिक लड़ाई में पालन करते हैं। कांग्रेस सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि संस्थाओं को नष्ट किया जा रहा है, जिससे चुनावी प्रक्रिया और हमारे देश को एकजुट रखने वाली संस्थाओं'' में लोगों का बुनियादी विश्वास डगमगा रहा है। प्रियंका ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि वह संसद में उनकी आवाज उठाती रहेंगी। उन्होंने कहा, मैं संसद में आपकी आवाज उठाऊंगी, मैं आपकी समस्याओं को हल करने का प्रयास करूंगी। आपके विश्वास, मूल्य और आकांक्षाएं हैं, जिनके लिए मैं हमेशा खड़ी रहूंगी।

कांग्रेस, यूडीएफ को वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाना चाहिए : राहुल

कोझिकोड/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को अपनी पार्टी कांग्रेस और यूडीएफ से वायनाड भूस्खलन पीड़ितों की मदद के लिए राज्य सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया।

राहुल गांधी अपनी बहन और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा की वायनाड लोकसभा उपचुनाव में जीत के बाद पहली बार केरल आए हैं। राहुल ने यहां मुक्कम में अपनी बहन के साथ जनसभा के दौरान भूस्खलन के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपना भाषण शुरू किया और कहा कि उनकी पार्टी और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) उन लोगों के साथ खड़े हैं, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों, संपत्तियों को खो दिया है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, हमारी सरकार नहीं है और इसलिए हम वह नहीं कर सकते जो एक सरकार कर सकती है। इसलिए, मैंने अपनी बहन और (एआईसीसी महासचिव) के. सी. वेणुगोपाल से कहा कि कांग्रेस और यूडीएफ के प्रत्येक सदस्य को भूस्खलन के पीड़ितों की मदद के लिए केरल सरकार पर दबाव बनाना चाहिए।

राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर वायनाड के लोगों के साथ भेदभाव करने का भी आरोप लगाया और कहा कि मोदी उन्हें वह सहायता प्रदान करने के लिए तैयार नहीं हैं, जिसके वे हकदार हैं। गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए दावा किया कि वह भारत के लोगों की तुलना में उद्योगपति गौतम अदाणी के साथ अलग तरह का व्यवहार कर रहे हैं, जबकि संविधान कहता है कि सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए।

राहुल ने दावा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अमेरिका में अदाणी पर आरोप लगने और उन्हें अपराधी कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता तथा भारत में हम उनके खिलाफ अभियोग नहीं चलाएंगे।

तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश, तट की ओर बढ़ा चक्रवात 'फेंगल'

चक्रवात फेंगल के कारण भारी बारिश से बाढ़, लोगों ने फ्लाईओवर पर पार्क किए वाहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/पुडुचेरी/भाषा। चक्रवात 'फेंगल' के प्रभाव से शनिवार को उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। मूसलाधार बारिश के साथ तेज हवाएं भी चलीं। उन्नतीस नवंबर की रात को तटीय क्षेत्रों में रुक-रुककर बारिश शुरू हुई, जो धीरे-धीरे लगातार तेज होती चली गई और कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया।

चेन्नई हवाई अड्डे पर दोपहर 12.30 बजे से शाम सात बजे तक विमानों का परिचालन स्थगित कर दिया गया है। पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। 'फेंगल' के पहुंचने के अनुमान के मद्देनजर, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने करीब 12 लाख निवासियों को एसएमएस के जरिये अलर्ट भेजकर उन्हें सतर्क रहने को कहा है।

चेन्नई में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में शीर्ष अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की और बाद में संवाददाताओं से कहा कि सभी एहतियाती कदम पहले ही उठा लिये गए हैं तथा संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों के लिए शिविर स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को भोजन भी वितरित किया जा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने एक पंपिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया। भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया और पेड़ उखड़ गए। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) के अधिकारियों ने कहा कि इंजीनियरों, अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों सहित 22,000 कर्मचारी काम पर हैं और 25-एचपी और 100-एचपी सहित विभिन्न क्षमताओं के कुल 1,686 मोटर पंप इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ट्रैक्टर पर लगे 484 हैवी-ड्यूटी पंप और 100-एचपी क्षमता वाले 137 पंप लगाए गए हैं। जीसीसी ने कहा कि 134 स्थानों पर जलभराव को दूर करने के लिए 'युद्ध स्तर' पर काम चल रहा है।

शहर की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने वाले चेम्बरमबक्कम और पूंडी जैसे जलाशयों में बड़ी मात्रा में जलप्रवाह हुआ। निचले इलाके मदीपक्कम के कई निवासियों ने अपनी कारों को पास के वेलाचेरी फ्लाईओवर के दोनों ओर पार्क किया। कुछ और इलाकों के निवासियों ने भी अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर पार्क किया है। सड़कें काफी हद तक सुनसान हैं और संवेदनशील जगहों पर तैनात नागरिक कार्यकर्ता, पुलिस और अग्निशमन तथा बचावकर्मी बारिश से संबंधित राहत/बचाव कार्य में जुटे हैं। राज्य द्वारा संचालित परिवहन निगमों ने चेन्नई और आसपास के इलाकों में सीमित सेवाएं संचालित कीं। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि चेन्नई डिवीजन के सभी उपनगरीय खंडों में ईएमयू ट्रेन सेवाएं अगली सूचना तक कम फेरे के साथ संचालित होंगी। एक अधिकारी ने कहा कि कुल मिलाकर, ट्रेन (एक्सप्रेस/सुपरफास्ट सहित) सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं, हालांकि कुछ देरी हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि 65-73 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली तेज हवाओं के कारण एमआरटीएस खंड में चेन्नई बीच और वेलाचेरी की तरफ उपनगरीय सेवाएं दोपहर 12.15 बजे से स्थगित कर दी गईं। चेन्नई मेट्रो रेल ने कहा कि उसकी सेवाएं निर्बाध रूप से चालू हैं और उसने लोगों को उन खास स्टेशनों के पार्किंग क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी है, जहां पानी भरने की आशंका है।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने दोपहर 12.30 बजे से शाम सात बजे तक सभी विमानों का परिचालन स्थगित करने की घोषणा की। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों के प्रस्थान और आगमन का कार्यक्रम प्रभावित हुआ। कुछ उड़ानों को बेंगलूरु और तिरुचिरापल्ली भेज दिया गया और कम से कम 18 उड़ानें रद्द कर दी गईं तथा 12 अन्य उड़ानें विलंबित हुईं।

सरकार ने पहले ही 30 नवंबर को शैक्षणिक संस्थानों के लिए अवकाश घोषित कर दिया था और आईटी कंपनियों से अनुरोध किया था कि वे अपने कर्मचारियों से घर से काम करवाएं। पुडुचेरी में, राहत और पुनर्वास कार्यों में शामिल होने के लिए अराकोणम से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) पहुंच गया है।

चेन्नई। चक्रवात फेंगल के शनिवार को तट के करीब पहुंचने के कारण चेन्नई और उसके आसपास के कई इलाके जलमग्न हो गए। तेज हवाओं के कारण बैरिकेड्स और छतरियां उड़ गईं तथा भारी बारिश के कारण सड़क पर लोग छिपने के लिए इधर-उधर भागने लगे। दिलचस्प बात यह रही कि सरकार द्वारा उच्च ज्वार के मद्देनजर लोगों के लिये समुद्र तटों के पास न जाने की चेतावनी जारी किये जाने के बावजूद बहुत से लोग, विशेषकर युवा पुरुष और महिलाएं, समुद्र तटों पर मौज-मस्ती करते रहे।

ममल्लापुरम विश्व धरोहर स्थल पर भी पर्यटकों पहुंचे थे। विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम जैसे तटीय क्षेत्रों में हवा की गति काफी तेज थी। क्रोमपेट में दो सरकारी अस्पतालों, एक सामान्य अस्पताल और छाती एवं श्वसन रोग चिकित्सा सुविधा केंद्र, के परिसर में बारिश का पानी घुस गया। ये दोनों अस्पताल एक-दूसरे के बगल में स्थित हैं। अस्पताल के अंदर भी पानी टखने के स्तर तक पहुंच गया था, जिससे मरीजों, तीमारदारों और डॉक्टरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस और स्थानीय अधिकारियों ने प्रवेश स्थलों पर रेत की बोरियां रखीं और बताया कि समस्या से निपटने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। अन्ना सलाई सहित कई सड़कों पर बैरिकेड यहां-वहां पड़े नजर आए तथा श्रीपेरंबदूर में एक ट्रैफिक लाइट गिर गयी और यहां कई आवासीय इलाके भारी मात्रा में जलमग्न हो गए। वर्षाजनित एक घटना में, यहां एटीएम से नकदी निकालने का प्रयास कर रहे एक प्रवासी श्रमिक की कथित तौर पर करंट लगने से मौत हो गई।

चक्रवात 'फेंगल'

चेन्नई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन रुका, विमानन कंपनियों ने उड़ानें रद्द कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के परिणामस्वरूप तेज हवाएं चलने और भारी बारिश के कारण शनिवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन रोक दिया गया। हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द हो गईं और सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए। भारी बारिश के कारण हवाई अड्डे के कुछ हिस्से जलमग्न हो गए।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चक्रवाती तूफान 'फेंगल' और पूर्वानुमानित तेज हवाओं के मद्देनजर विमानन कंपनियों द्वारा व्यक्त की गईं सुरक्षा चिंताओं के बाद चेन्नई हवाई अड्डे का संचालन 30 नवम्बर को 12:30 बजे से 19:00 बजे तक निलंबित रहेगा। हम यात्रियों को सलाह देते हैं कि वे अपनी उड़ानों के बारे में अपनी संबंधित एयरलाइन से जानकारी लें। इंडिगो ने शाम 6.06 बजे एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चेन्नई में मौसम में सुधार नहीं हुआ है और शहर से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। इंडिगो ने पोस्ट में कहा, हम आपको जानकारी उपलब्ध कराने के लिए लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं। इससे पहले दिन में एयरलाइन ने कहा था कि शहर से आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इंडिगो 38 घरेलू और 11 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 120 से अधिक सीधी उड़ानें संचालित करती है।

चक्रवात के चलते रेल सेवाओं के स्वरूप में परिवर्तन

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने चक्रवात फेंगल के कारण भारी बारिश के कारण कई ट्रेन सेवाओं के पैटर्न में परिवर्तन किए हैं। ट्रेन संख्या 16054 तिरुपति - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सप्तगिरी एक्सप्रेस जो 30 नवम्बर को 10.10 बजे तिरुपति से रवाना हुई थी, उसे अवाडी में समाप्त कर दिया जाएगा। ट्रेन संख्या 12680 कोयंबटूर - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल लालबाग एक्सप्रेस जो 30 नवम्बर को कोयंबटूर से 06.25 बजे रवाना हुई थी, उसे अवाडी में समाप्त कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 12610 मैसूरु-डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस जो 30 नवम्बर को मैसूरु से 05.00 बजे रवाना होगी , उसे तिरुवल्लूर में समाप्त कर दिया जाएगा। ट्रेन नंबर 12163 लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस जो 29 नवम्बर को 18.40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से रवाना हुई, तिरुवल्लूर में शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी। ट्रेन संख्या 22638 मंगलूरु सेंट्रल - डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल वेस्ट कोस्ट एक्सप्रेस जो 29नवम्बर को 23.45 बजे मंगलूरु सेंट्रल से रवाना हुई थी, उसे अरक्कोणम में समाप्त कर दिया जाएगा। वहीं कई ट्रेनों जो 30 नवम्बर को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से छूटने वाली थीं उन्हें तिरुवल्लूरु, अवाड़ी और चेन्नईबीच से रवाना किया गया।

चक्रवात 'फेंगल' : पुडुचेरी सरकार ने भारी बारिश को लेकर निवासियों को एसएमएस के जरिए चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के पुडुचेरी की तरफ बढ़ने की संभावना के बीच शनिवार सुबह यहां भारी बारिश हुई जिसके बाद जिला प्रशासन ने करीब 12 लाख निवासियों को एसएमएस के जरिए अलर्ट भेजकर उन्हें सतर्क रहने को कहा। मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा करने के लिए बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने निचले इलाकों से निकाले गए लोगों के लिए बनाये गये राहत शिविरों का भी दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ए कुलोथुंगन ने मुख्यमंत्री को

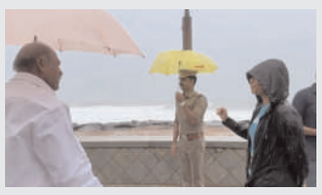

आश्रय गृहों में रहने वाले लोगों को भोजन के पैकेट वितरित करने के बारे में जानकारी दी। कुलोथुंगन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। कुलोथुंगन ने कहा, हमने निचले इलाकों से लोगों को निकाला है और उनके लिए आश्रय स्थल भी तैयार किए गए हैं। भोजन के पैकेट की आपूर्ति की भी व्यवस्था की गई है। राहत और पुनर्वास कार्यों में शामिल होने के लिए अराकोणम से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम पहुंच गई है। अधिकारी के अनुसार, जिलाधिकारी और संबंधित विभागों में भी नियंत्रण कक्ष खोले गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फेंगल' के पुडुचेरी के पास कराईकल और महाबलीपुरम तटों के बीच से गुजरने की संभावना है। सरकार ने लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी है। यह सुनिश्चित करने के लिए समुद्र तट के पास लोग नहीं जाएं, तट किनारे की सड़क और कई पर्यटक स्थल बंद कर दिए गए हैं। स्कूल और कॉलेज शनिवार को भी बंद रहे।

दक्षिण रेलवे यात्रियों की सुविधा के लिए हमेशा स्वच्छ लिनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने हमेशा यात्रियों की सुविधा और स्वच्छता को प्राथमिकता दी है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसकी सेवाएँ उत्कृष्टता के मानक स्थापित करें। सालाना 600 लाख से ज़्यादा यात्रियों के साथ, दक्षिण रेलवे कई तरह की पहलों के ज़रिए यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने का काम जारी रखता है, खास तौर पर साफ़ और स्वास्थ्यकर लिनेन की आपूर्ति के मामले में।

दक्षिण रेलवे प्रत्येक एसी यात्री को दो चादरें प्रदान करता है - एक बर्थ पर बिछाने के लिए और दूसरी कंबल ओढ़ने के लिए। एसी कोच के अंदर का तापमान आरामदायक 24 डिग्री सेल्सियस पर बनाए रखा जाता है, जिससे यात्रियों को आराम मिलता है और भारी कंबल पर निर्भरता कम होती है। हाल के वर्षों में कंबल की सफ़ाई की आवृत्ति में लगातार सुधार हुआ है। 2010 में 3 महीने के पहले चक्र से इसे घटाकर 2 महीने कर दिया गया और 2016 से इसे और भी कम करके 15 दिन कर दिया गया। लॉजिस्टिक चुनौतियों वाले क्षेत्रों में, सफ़ाई चक्र 20-30 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के उच्च मानकों को पूरा करने के लिए, दक्षिण रेलवे ने अपने लिनन प्रबंधन के लिए इजजद (बिल्ड, ओन, ऑपरेट, ट्रांसफर) मॉडल को अपनाया है।

बेसिन ब्रिज बूट लॉन्ड्री (प्रति शिफ्ट 6 टन क्षमता) और कोचुवेली बूट लॉन्ड्री (प्रति शिफ्ट 3 टन क्षमता) प्रतिदिन औसतन 26 टन उच्च गुणवत्ता वाले लिनन (23,000 सेट) की आपूर्ति करती हैं। नागरकोइल और एर्नाकुलम बूट लॉन्ड्री की क्षमता 2 टन प्रति शिफ्ट है, जो वर्तमान में 5,200 सेट की आपूर्ति करती है। मदुरै, कोयम्बटूर और मंगलूरु में बूट लॉन्ड्रियों की स्थापना की योजना है, जो प्रतिदिन अतिरिक्त 7,800 लिनेन सेटों का प्रबंधन करेंगी। ये अत्याधुनिक मशीनीकृत लांड्रियां उच्च गुणवत्ता वाली धुलाई और स्वच्छता प्रक्रियाएं सुनिश्चित करती हैं, तथा यात्रियों को ताजा और स्वच्छ लिनन की गारंटी देती हैं। दक्षिण रेलवे स्वच्छता, स्वास्थ्य और गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण में निरंतर प्रयासों के माध्यम से यात्री आराम को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टंगस्टन खनन के प्रति तमिलनाडु के विरोध से केंद्र को 2023 में अवगत कराया था : मंत्री दुरईमुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के खनन एवं जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने मदुरै के अरिट्टापट्टी और आसपास के गांवों में टंगस्टन के खनन पर तीन अक्टूबर 2023 को अपना कड़ा विरोध जताया था, लेकिन कुछ दल यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि इस मुद्दे पर लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ही खनन को मंजूरी दी गई।

मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सितंबर 2023 में टंगस्टन सहित महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के संबंध में संशोधित खनिज नीति की घोषणा के तुरंत बाद, उन्होंने 3 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन केंद्रीय खान मंत्री को संबोधित एक पत्र के माध्यम से तमिलनाडु सरकार के विरोध को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया था। हालांकि, 2 नवंबर 2023 को अपने जवाब में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री ने तमिलनाडु की आपत्ति को खारिज कर दिया और कहा कि यह नीलामी आवश्यक कानूनी संशोधन करने के बाद ही आयोजित की जाएगी और राज्य सरकारों को राष्ट्रीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सहयोग करना चाहिए।

दुरईमुरुगन ने यहां एक बयान में कहा, इसके बाद केंद्र सरकार ने मदुरै के मेलूर क्षेत्र में भूमि के बारे में ब्योरा मांगा। हमने बताया कि प्रस्तावित क्षेत्र में अरिट्टापट्टी क्षेत्र एक जैव विविधता विरासत स्थल है। केंद्र ने इस पर विचार नहीं किया, लेकिन हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को टंगस्टन खनन की मंजूरी दे दी। दुरईमुरुगन ने आरोप लगाया कि हालांकि, खनन के प्रति लोगों के विरोध और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा खनन की अनुमति नहीं देने के कड़े रुख के बाद, केंद्र सरकार और राज्य में विपक्षी दल यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि तमिलनाडु सरकार ने इस मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए खनन को मंजूरी दी।

गुकेश ने लिरेन से ड्रॉ खेला, पांच बाजियों के बाद दोनों बराबरी पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/सिंगापुर। भारतीय चैलेंजर डी गुकेश ने शनिवार को यहां सफेद मोहरों से खेलते हुए विश्व शतरंज चैंपियनशिप की पांचवीं बाजी में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन से ड्रॉ खेला। लगातार दूसरे ड्रॉ के बाद दोनों खिलाड़ियों के बराबर 2.5-2.5 अंक हो गए हैं। चैंपियनशिप जीतने के लिए उन्हें अभी भी पांच अंक हासिल करने होंगे। भारत के 18 वर्षीय गुकेश खिताब के लिए अब तक के सबसे कम उम्र के चैलेंजर हैं और उन्होंने बुधवार को तीसरी बाजी जीती थी। वहीं 32 वर्षीय लिरेन ने पहली बाजी जीती थी। दोनों ने दूसरी और चौथी बाजी में अंक बांटे थे।

केरल में माकपा नेता बिपिन सी. बाबू भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सम्मेलन से पहले जारी कार्यक्रमों में गुटबाजी की खबरों के बीच पार्टी नेता बिपिन सी बाबू शनिवार को वामपंथी दल छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने माकपा के अलप्पुझा क्षेत्र समिति के सदस्य बिपिन सी बाबू को यहां आयोजित एक बैठक के दौरान पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने अलप्पुझा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष, मुथुकुलम ब्लॉक पंचायत के अध्यक्ष, डीवाईएफआई और एसएफआई अलप्पुझा जिला अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में बिपिन ने आरोप लगाया कि माकपा ने अपना धर्मनिरपेक्ष चरित्र खो दिया है।

उन्होंने कहा, कुछ सांप्रदायिक ताकतें अब पार्टी का नेतृत्व कर रही हैं और यह एक विशेष वर्ग का संगठन बन गया है। बिपिन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में विकास संबंधी पहल ने उन्हें भाजपा की ओर आकर्षित किया। माकपा सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ नेता जी

सुधाकरन को दरकिनार किए जाने की पार्टी के भीतर आलोचना हुई है और कोल्लम जिले के करुनागप्पिल्ली जैसे कुछ स्थानों पर स्थानीय और क्षेत्रीय सम्मेलनों में खुला विरोध हुआ। बिपिन ने कहा, वरिष्ठ नेता जी. सुधाकरन देश के अग्रणी सामाजिक कार्यकर्ताओं में से एक हैं और कई वर्षों तक राज्य की सेवा करने वाले सर्वश्रेष्ठ मंत्रियों में से एक हैं। उनकी स्थिति बहुत दयनीय है।''

उन्होंने कहा कि माकपा छोड़ने के उनके फैसले के पीछे यह भी एक कारण है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने दावा किया कि अलप्पुझा में माकपा के भीतर आंतरिक संघर्ष अब चरम पर पहुंच गया है। सुरेन्द्रन ने आरोप लगाया कि माकपा के भीतर माफिया तत्वों और पीएफआई के एक गुट की मौजूदगी पार्टी के पतन का कारण बन रही है। पार्टी के पूर्व प्रवक्ता संदीप वारियर के कांग्रेस में शामिल होने पर टिप्पणी करते हुए सुरेंद्रन ने कहा, जब कुछ कचरा बाहर जाता है, तो शुद्ध पानी भाजपा में आता है।

विकास की गाड़ी एक साल में एक इंच आगे नहीं चली : रलावता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में विधानसभा चुनाव को एक वर्ष पूरा होने पर शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा अजमेर उत्तर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता ने जिले में विकास पर कड़ा तंज कसते हुये कहा कि एक साल पहले विकास की गाड़ी जहां खड़ी थी, एक इंच आगे नहीं चली है।

रलावता ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव में बड़े-वायदे, बड़े-बड़े सपने दिखाये, लेकिन सब ढाक के तीन पात निकला। विकास के नाम पर सिर्फ घोषणायें हुईं, लेकिन विकास अवरुद्ध है। उन्होंने कहा कि पानी 72 घंटे में आना जनप्रतिनिधि की बड़ी विफलता है। सड़कें टूटी हैं, खड्डों में सड़क है। कानून-व्यवस्था चरमराई हुई है। महिलाओं पर अत्याचार बदस्तूर जारी है। चैन स्नैचिंग की घटनायें लगातार बढ़ रही है। उन्होंने अजमेर उत्तर विधायक का बिना नाम लिये कहा कि जयपुर से आकर यहां सर्किट हाउस में बैठकर अधिकारियों के साथ चाय पीना, बातचीत करना और चेतावनी के बाद मीडिया को 'प्रेस नोट' जारी कर देना ही उनके लिये विकास की परिभाषा है। उन्होंने अजमेर नगर निगम को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि 'ट्रिपल इंजन' की सरकार से विकास के नाम पर शहर को 'भ्रष्टाचार' मिला है। दुकानों को सीज करना , इसका बड़ा उदाहरण है।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव रलावता ने दरगाह मामलें पर कहा..मैं, रलावता चौकीदार हूँ ।.. यदि जरूरत हुई तो कांग्रेस अथवा वे स्वयं न्यायालय में पक्षकार बनेंगे। उन्होंने कहा कि अजमेर की 20 लाख जनसंख्या में कोई आगे नहीं , बाहर का व्यक्ति आकर मंदिर के नाम पर वाद दायर कर गया। ये सब भाई से भाई को लड़ाने तथा अजमेर का साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का षड़यंत्र है। कांग्रेस दल संविधान से देश चलाने का पक्षधर है, अजमेर का साम्प्रदायिक माहौल खराब नहीं करने दिया जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सब महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी से ध्यान हटाने के लिये किया जा रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की कि उनका दायित्व है कि वे देश की 36 कौमों को साथ लेकर चले।

चौधरी ने राजकीय अस्पताल में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगढ़ (अजमेर)/एजेन्सी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री एवं अजमेर सीट से सांसद भागीरथ चौधरी ने शनिवार को राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ मुख्यालय स्थित राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में निरीक्षण के दौरान सुविधाओं के अभाव और प्रशासनिक लापरवाही पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचे चौधरी को आमजन और मरीजों ने बताया कि अस्पताल में चार एक्स-रे मशीनें उपलब्ध होने के बावजूद केवल एक मशीन का उपयोग किया जा रहा है। मरीजों एवं उनके परिजनों ने उन्हें बताया कि एक्स-रे मशीनें सुबह नौ बजे से अपराह्न दो बजे तक चालू होनी चाहिये, लेकिन इनका संचालन केवल सुबह नौ से एक बजे तक ही किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में मरीजों को समय पर जांच कराने में परेशानी हो रही है। इस पर श्री चौधरी ने तुरंत अस्पताल के प्रबंधन (पीएमओ) से स्पष्टीकरण मांगा। जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने पीएमओ को फटकार लगाई और तुरंत कार्रवाई का आदेश दिया।

चौधरी ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तो पूर्वाह्न 11:30 बजे भी एक्स-रे कक्ष बंद पाया। इससे नाराज होकर उन्होंने तुरंत एक्स-रे कक्ष की चाबियां मंगवाईं और कक्ष खुलवाया। इसके बाद उन्होंने सख्ती से कहा कि सभी चार एक्स-रे मशीनों को तुरंत चालू किया जाये ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने लापरवाही पर अस्पताल प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिये। भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा सामने आयी, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

राजस्थान के बूंदी में महिला को 'डायन' बता पेड़ से बांधकर प्रताड़ित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। राजस्थान के बूंदी जिले में एक स्वयंभू ओझा और उसके सहयोगियों द्वारा कथित तौर पर 50 वर्षीय एक महिला को 'डायन' करार देने और उसे एक पेड़ से बांधकर प्रताड़ित करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने महिला को पेड़ से बांधकर उसके बाल काट दिए, उसके चेहरे पर कालिख पोत दी और उसे 'बुरी आत्मा' से 'मुक्त' करने के लिए दो दिनों तक गर्म लोहे की छड़ से प्रताड़ित किया।

बूंदी के पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि शाहपुरा निवासी नंदूबाई मीणा को हिंडोली थाना क्षेत्र के गुडागोकुलपुरा गांव के पास एक स्थानीय देवता के पूजा स्थल पर दो दिनों तक अमानवीय यातनाएं दी गईं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मीणा को उस 'बुरी आत्मा' से छुटकारा पाने के लिए प्रताड़ित किया गया, जिसने कथित तौर पर गांव में विवाहित अपनी एक रिश्तेदार को नुकसान पहुंचाया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने शुक्रवार को महिला को बचाया और पीड़िता के बयान के आधार पर स्वयंभू ओझा बाबूलाल और उसके दो सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

जीएसटी की बैठक 21 दिसम्बर को जैसलमेर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/एजेन्सी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की महत्वपूर्ण 55वीं बैठक 21 दिसम्बर को विख्यात पर्यटन स्थल राजस्थान में जैसलमेर में आयोजित हो रही है।

आधिकारिक सूत्रों से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार 'जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक 21 दिसम्बर, 2024 को राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित होगी।' इसकी व्यापक तैयारियां शुरू हो गयी हैं। शहर के एक पांच सितारा होटल में होने वाली इस बैठक में केंद्रीय वित्तमंत्री और अन्य राज्यों के वित्तमंत्रियों के आने की संभावना है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जाने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में राज्य मंत्रियों की एक समिति की सिफारिशों के अनुसार आम इस्तेमाल की कई वस्तुओं पर कर दरों को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया जा सकता है। 'काउंसिल ने नौ सितम्बर को अपनी पिछली बैठक में इस संबंध में मंत्रियों के समूह (जीओएम) को रिपोर्ट देने को कहा था। रिपोर्ट को अक्टूबर के अंत तक अंतिम रूप देना था। पिछले महीने स्वास्थ्य और जीवन बीमा उत्पादों पर जीएसटी लगाने के बारे में जीओएम की बैठक हुई थी।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इस बैठक में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री जिनके पास वित्तमंत्री का प्रभार है, विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्री, जीएसटी के उच्चाधिकारियों सहित वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के इस बैठक में हिस्सा लेने के लिये जैसलमेर आने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि जैसलमेर में होने वाली बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर जीएसटी से छूट या कम दर को लेकर फैसला किया जा सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में देश में राज्य समकक्षों से मिलकर बनी काउंसिल दरों को सुसंगत करने पर भी कुछ फैसले लिया जा सकता है।

अलवर में 240 निवेशकों ने 10 हजार 147 करोड़ के निवेश का किया करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि अलवर में औद्योगिक विकास के लिए केंद्र और राजस्थान सरकार पूरी तरह दृढ़ संकल्पित है। राइजिंग राजस्थान जिला स्तरीय निवेशकों की बैठक में 240 निवेशकों ने भाग लिया और करीब 10 हजार 147 करोड़ रुपये के निवेश का करार किया है।

यादव ने शनिवार को राइजिंग राजस्थान जिला स्तरीय निवेशकों की बैठक का उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आज जिला स्तरीय निवेशकों की बैठक में शिक्षा, पर्यटन, रियल स्टेट, ऑटोमोबाइल्स सहित अन्य क्षेत्रों में करार हुआ है और यह अलवर के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अलवर की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ी उपलब्धि जयपुर दिल्ली के बीच अलवर का होना है और सबसे बड़ी उपलब्धि है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे अलवर से जुड़ गया है जिससे निवेशक पूरी तरह से सुविधाजनक स्थिति में होंगे।

मंत्री ने कहा कि अलवर को स्वच्छता के क्षेत्र में काम करना होगा। इस संबंध में अलवर जिला कलेक्टर से भी बात हुई है। उन्होंने कहा कि अलवर को स्वच्छ शहर बनाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। उनका प्रयास होगा कि स्वच्छता के सर्वेक्षण सूचकांक में अलवर पांच स्थानों में शामिल हो। आने वाले समय में पार्षद, जनप्रतिनिधि और व्यापारी एवं जन भागीदारी से अलवर शहर को स्वच्छ बनाया जा सकता है और यह अभियान के रूप में काम किया जाएगा। सबको मिलकर काम करना होगा । उन्होंने कहा कि अलवर के पर्यावरण को भी सुधारने की आवश्यकता है। यहां ऐतिहासिक भूमि है। भरतरी के विकास के लिए राजस्थान सरकार ने बजट दिया है। सरिस्का के विकास पर भी काम किया जा रहा है । यहां विस्थापन और पुनर्वास के विषय हैं। उन पर तेज गति से काम किया जा रहा है। जल्दी इसके परिणाम सामने आएंगे और उसका को लेकर भी आगे बढ़ाना है। यादव ने कहा कि फरवरी में यहां पर इंटरनेशनल टाइगर मैराथन का आयोजन किए जाने का प्रस्ताव है और इस मैराथन को पूरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश के सैलानी सरिस्का को देख सकेंगे। यहां जो लोक संस्कृति है उसका भी प्रचार प्रसार होगा। उन्होंने कहा कि लोक उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाया जाना चाहिए जिससे हर क्षेत्र में निवेश की संभावना बढ़े।

राइजिंग राजस्थान सम्मिट में मिलेट फूड्स को दिया जाएगा बढ़ावा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के ऐतिहासिक आयोजन को खास बनाने के लिए दस दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल के तहत शनिवार को तीसरा संकल्प लेते हुए कहा कि सम्मेलन में मिलेट फूड्स को बढ़ावा दिया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में स्वस्थ राजस्थान का संदेश देते हुए मोटे अनाज को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर प्रदेश को निवेश में अग्रणी बनाने के साथ ही प्रदेश की कला और संस्कृति को नई पहचान दिलाना है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान मोटे अनाज के उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है तथा यह स्वास्थ्य के लिहाज से गुणकारी भी होता है। इसी दिशा में स्वाद और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दृष्टि से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में मिलेट फूड को शामिल किया जाएगा।

अजमेर दरगाह मामला:

याचिकाकर्ता को फोन पर जान से मारने धमकी मिली

जयपुर/भाषा। अजमेर की स्थानीय अदालत में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को शिव मंदिर के ऊपर बनाए जाने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को शनिवार को फोन पर कथित रूप से जान से मारने की धमकियां मिली। वर्तमान में दिल्ली में मौजूद गुप्ता ने बताया कि उन्हें दो फोन कॉल आए हैं। उन्होंने शनिवार को दिल्ली के बाराखंबा रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई।

उन्होंने दावा किया कि एक फोन कॉल भारतीय नंबर से आया था, जबकि दूसरा फोन कॉल कनाडा आया था।

गुप्ता ने दावा किया, कनाडा से कॉल करने वाले ने अजमेर की अदालत में याचिका दायर करने पर मेरा सिर कलम करने की धमकी दी। उसने धमकी दी कि अजमेर दरगाह के संबंध में याचिका दायर करके मैंने बहुत बड़ी गलती की है।

गुप्ता ने कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

अजमेर दरगाह मुद्दे पर राजनीतिक और मुस्लिम नेताओं के बीच तीखी बहस छिड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। अजमेर शरीफ दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी संबंधी याचिका से राजस्थान में राजनीतिक और मुस्लिम नेताओं के बीच तीखी बहस छिड़ गई है।

अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने याचिका को मंजूर करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), अजमेर दरगाह समिति और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को एक नोटिस जारी किया है।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि मुगल शासक बाबर और औरंगजेब ने मुगल आक्रमण के दौरान मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनवाई थीं। उन्होंने कहा कि अगर अदालत खुदाई का आदेश देती है तो खुदाई में मिलने वाले अवशेषों के आधार पर फैसला होगा। अजमेर की अदालत ने बुधवार को ये नोटिस जारी किए।

इस बारे में पूछे जाने पर दिलावर ने कोटा में मीडिया से कहा, ''मुझे कुछ नहीं कहना, न्यायालय निर्णय करेगा।''

कांग्रेस विधायक रफीक खान ने कहा कि यह धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक अधिकार पर प्रहार है। उन्होंने कहा, यह दरगाह 12वीं शताब्दी में बनी थी और इसे 2024 में चुनौती दी जा रही है। यह सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास है और भाईचारे के खिलाफ है। यह धार्मिक आस्था की स्वतंत्रता पर प्रहार है।

खान ने मोदी सरकार पर विभाजन और भेदभाव की राजनीति करने का भी आरोप लगाते हुए कहा, युवाओं और आने वाली पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य देने के बजाय सरकार उन्हें पीछे धकेल रही है और गुमराह कर रही है, क्योंकि उनके पास अपनी उपलब्धि के रूप में पेश करने के लिए कुछ भी नहीं है।

अजमेर दरगाह के खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता के हर बिलास सारदा की पुस्तक 'अजमेर-ऐतिहासिक और वर्णनात्मक' के दावे पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता गुप्ता ने याचिका में उल्लेख किया है कि एक ब्राह्मण दंपति महादेव मंदिर में पूजा करता था, जहां दरगाह बनाई गई थी।

चिश्ती ने कहा कि कई अन्य पुस्तकें हैं जिनमें दरगाह का इतिहास है, लेकिन उनमें ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है।

अजमेर दरगाह के आध्यात्मिक प्रमुख दीवान जैनुल आबेदीन खान ने कुछ पुस्तकों का हवाला देते हुए कहा कि सूफी संत की कब्र 'कच्ची' भूमि पर थी और 150 वर्षों से वहां कोई 'पक्का' निर्माण नहीं हुआ था और ऐसी स्थिति में मंदिर का दावा कैसे किया जा सकता है।

चिश्ती और खान दोनों ने अजमेर में अलग-अलग प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि ऐसी याचिकाओं से सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बहुत नुकसान पहुंचने की संभावना है और यह देश के हित के खिलाफ है।

चिश्ती ने कहा, जवाहर लाल नेहरू के समय से लेकर नरेन्द्र मोदी तक, सालाना उर्स के दौरान ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर भारत के प्रधानमंत्री के नाम से चादर आती है। उन्होंने कहा, दरगाह के इतिहास पर कई किताबें लिखी गई हैं।

ऑनरकिलिंग मामले में हत्यारे पिता को मौत की एवं अन्य 10 को आजीवन कारावास की सज़ा

बालमुकुंद जोशी

सीकर/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। जिले में 5 साल पहले हुए बहुत चर्चित ऑनर किलिंग मामले में शनिवार को कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सीकर के एडीजे क्रम संख्या एक महेंद्र प्रताप सिंह बेनीवाल ने लड़की के पिता को ऑनर किलिंग करने के आरोप में सजा-ए-मौत देने का ऐलान किया है वहीं इस मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। यह पहला मामला है जब सीकर में ऑनर किलिंग के मामले में इतनी बड़ी सजा का ऐलान हुआ है। आज ही कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी करार दिया था और उसके बाद पिता के लिए मौत की सजा का ऐलान किया गया है। इस मामले में तीन आरोपियों को बरी भी किया गया है। परिवादी की ओर से एडवोकेट राजेंद्र कुमार हुड्डा ने इस पूरे मामले में पैरवी की। उन्होंने बताया कि पूरा मामला 21 अक्टूबर 2019 का है।

यह था पूरा मामला

खाटू श्याम जी में गणपत नाम का एक युवक कपड़े की दुकान चलाता था। गणपत शादीशुदा था और उसकी दुकान पर अलोदा गांव की रहने वाली महिला प्रेम कपड़े लेने आई थी। इस दौरान दोनों के बीच जान पहचान हुई और आगे चलकर मामला प्रेम प्रसंग में बदल गया। गणपत ने प्रेम को एक मोबाइल दिया जिस पर दोनों की बात होती रहती थी।

एक दिन प्रेम के पिता रामगोपाल को उसके मोबाइल के बारे में जानकारी मिल गई। उसने प्रेम के साथ जमकर मारपीट की और प्रेमी के बारे में पूछा। अब प्रेम और गणपतलाल के अफेयर के बारे में पिता रामगोपाल को पता चल चुका था। ऐसे में 21 अक्टूबर की रात रामगोपाल ने अपनी बेटी प्रेम के साथ मारपीट की और फिर उसे अपने प्रेमी गणपतलाल को बुलाने को कहा। गणपतलाल अपनी बाइक लेकर जैसे ही पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो रामगोपाल के कहने पर अन्य आरोपियों के द्वारा गणपतलाल का किडनैप कर लिया गया। इसके बाद गणपतलाल को रामगोपाल अपने घर पर ले गया जहां पर दोनों के साथ बेरहमी से मारपीट की।

इस मारपीट के दौरान दोनों की मौत हो गई तो उनके शवों को रामगोपाल ने अपनी गाड़ी में डालकर जीणमाता-मांडोली की पहाड़ियों में सुनसान इलाके में एक गड्ढे में डाल दिया।

इसके बाद खुद रामगोपाल ने खाटूश्यामजी थाने में अपनी ही बेटी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

संदेह जताया कि कुछ अज्ञात लोग उसकी बेटी का किडनैप करके ले गए। 22 अक्टूबर को गणपतलाल के भाई बलदेव गोदारा को उनके साले भागचंद ने बताया कि सुबह उसके पास गणपत लाल के मित्र सुरेश चोपड़ा का कॉल आया था जिसने उन्हें बताया कि रात को 11:15 बजे के करीब गणपत लाल का कॉल आया था जिसमें पीछे झगड़ा होने की आवाज सुनाई दे रही थी, कुछ देर बाद ही उसका फोन स्विच ऑफ हो गया।

सुरेश चोपड़ा ने उन्हें बताया कि गणपत लाल की बाइक पलसाना इलाके में पेट्रोल पंप के पास खड़ी है। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर तलाश शुरू की और पेट्रोल पंप के फुटेज भी चेक किए।

जहां पता चला कि उनके भाई के साथ पेट्रोल पंप पर 21 अक्टूबर की रात को मारपीट हुई और कुछ बदमाश उसे किडनैप करके अपने साथ ले गए। गणपत लाल के भाई ने 23 अक्टूबर को रानोली पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया कि उनके भाई का 21 अक्टूबर की रात को किडनैप किया गया।

बलदेव की रिपोर्ट पर रानोली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले में अनुसंधान शुरू किया। जब पुलिस ने रामगोपाल से शक्ति से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली। इसके बाद दोनों मृतकों के शव जीण माता की पहाड़ियों से बरामद किए गए।

मामले का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। करीब 5 साल बाद आज कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है।

संभल में 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक, विपक्ष ने किया विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। जिले में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा की अवधि भी एक दिसंबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी है। यहां जारी एक बयान में जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसीया ने कहा, कोई भी बाहरी व्यक्ति, अन्य सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि जनपद की सीमा में बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के 10 दिसंबर तक प्रवेश नहीं करेगा।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा, कोई भी व्यक्ति यदि सोशल मीडिया पर किसी समूह में अफवाह फैलाने का प्रयास करता है तो 'ग्रुप एडमिन' उक्त पोस्ट हटाकर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को देगा। जिले में साइबर कैफे एक रजिस्टर रखेंगे जिसमें प्रत्येक ग्राहक के नाम लिखे जाएंगे। संभल में कोई भी सार्वजनिक स्थल पर पुतला नहीं फूंकेगा। यह कदम इस लिहाज से महत्वपूर्ण है क्योंकि समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल हिंसा के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए शनिवार को संभल का दौरा करने वाला था। मुजफ्फरनगर से सपा सांसद हरेन्द्र मलिक को गाजियाबाद से संभल आने से रोक दिया गया। मलिक ने कहा, मेरे समझ में यह नहीं आता कि हमें क्यों रोका जा रहा है। क्या विपक्ष के नेता, सांसद इतने गैर जिम्मेदार हैं कि उन्हें राज्य के भीतर घूमने नहीं दिया जा सकता। वहीं, मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा के आवास को पुलिस ने चारों तरफ से घेर रखा है जिससे उन्हें संभल जाने से रोका जा सके। मलिक ने कहा, हमारे प्रतिनिधिमंडल में संभल से सपा सांसद जिया-उर-हमान बर्क और कैराना से लोकसभा सदस्य इकरा हसन भी शामिल हैं। हम क्या कर सकते हैं। यह सरकार एक निरंकुश शासक की तरह काम कर रही है। कोई भी संभल की तरफ ना जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा निगरानी बढ़ाए जाने से गाजियाबाद सीमा पर भारी जाम लग गया। हरेंद्र मलिक को गाजियाबाद में डिवाइडर पर बैठे देखा गया। मलिक ने कहा, मैं इस हिंसा से प्रभावित लोगों को सांत्वना देने के लिए संभल जाना चाहूंगा। लेकिन यह सरकार सभी चीजों पर अंकुश लगा रही है। कैराना से सांसद इकरा हसन ने हापुड़ में संवाददाताओं से कहा, संभल में हिंसा से प्रभावित लोग, हमारे अपने लोग हैं और हम उनके साथ रहना चाहते हैं। हम इस मुद्दे को लोकसभा में भी उठाएंगे। सरकार जब भी अनुमति देगी, हम निश्चित रूप से

वहां जाएंगे। इस बीच, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर कहा, प्रतिबंध लगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है। ऐसा प्रतिबंध अगर सरकार उन पर पहले ही लगा देती जिन्होंने दंगा-फसाद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नारे लगवाए तो संभल में सौहार्द शांति का वातावरण नहीं बिगड़ता। अखिलेश ने अपनी पोस्ट में कहा कि भाजपा जैसे पूरी की पूरी कैबिनेट एक साथ बदल देती है, वैसे ही उसे संभल में ऊपर से लेकर नीचे तक का पूरा प्रशासनिक अमले को निलंबित कर देना चाहिए तथा उन पर साजिशन लापरवाही' का आरोप लगाते हुए सच्ची कार्रवाई करके बर्खास्त भी करना चाहिए और किसी की जान लेने का मुकदमा भी चलना चाहिए।

समाजवादी पार्टी ने एक बयान जारी कर कहा, संभल में हुई हिंसा की जांच के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर बनाए गए सपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं के घरों पर सरकार द्वारा पुलिस लगाकर उन्हें संभल जाने से रोकने की घटना, घोर निंदनीय एवं अलोकतांत्रिक है। भाजपा सरकार संभल हिंसा का सच छिपा रही है। सपा प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति मिले।

इस बीच, माता प्रसाद पांडेय ने लखनऊ में अपने आवास के बाहर संवाददाताओं को बताया, गृह सचिव संजय प्रसाद ने मुझे फोन कर संभल नहीं जाने का अनुरोध किया था। संभल के जिलाधिकारी ने भी मुझे फोन कर बताया कि जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक 10 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है। इसलिए मैं अब पार्टी कार्यालय जाऊंगा और इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा। पांडेय ने कहा, यह सरकार संभल में शायद अपनी गलतियों को छिपाने के लिए मुझे रोकना चाहती है क्योंकि हमारे दौरे से कई गलतियां सामने आ जाएंगी। शुक्रवार रात से ही पांडेय के आवास के बाहर भारी संख्या में पुलिस कर्मी तैनात हैं। लखनऊ मध्य से सपा विधायक रविदास महरोत्रा ने कहा कि भाजपा सरकार ने अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है। इस बीच, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्तमान में संभल में स्थिति शांतिपूर्ण है और पुलिस एवं प्रशासन चौकसी बरत रहा है।

मौर्य ने शनिवार को 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह विवाद हिंदू-मुस्लिम दंगा नहीं था, बल्कि स्थानीय सपा सांसद और विधायक के बीच अधिकारों की लड़ाई थी जिसमें समाजवादी पार्टी ने संभल को सांप्रदायिक अशांति में झोंकने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास इसलिए किया गया क्योंकि समाजवादी पार्टी को बीते उप चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा और उनका 'मुस्लिम वोटबैंक' तक खिसक गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव द्वारा भेजे जा रहे प्रतिनिधिमंडल की मुस्लिमों से कोई सहानुभूति नहीं है, बल्कि खिसके वोट बैंक को वापस हासिल करने का एक विफल प्रयास है।

मौर्य ने कहा कि जब प्रशासन शांति बहाली के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और सरकार ने इस मामले में पहले ही न्यायिक जांच बिठा दी है ऐसे में इस तरह के प्रयास निरर्थक हैं और यह प्रदर्शित करते हैं कि समाजवादी पार्टी खुद को 'समाप्तवादी पार्टी' में तब्दील कर रही है। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को कहा, संभल की हिंसा, स्थानीय सांसद और विधायक के बीच टकराव का परिणाम है और खुद को बचाने के लिए सपा नेता लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा, संभल में स्थिति संवेदनशील है और निषेधाज्ञा लागू है।

वाराणसी में रेलवे स्टेशन की पार्किंग में आग लगने से 150 से अधिक वाहन जलकर खाक

वाराणसी/भाषा। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास पार्किंग में शुक्रवार देर रात आग लगने से 150 से अधिक दोपहिया वाहन जल कर खाक हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के साथ-साथ दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि यह पार्किंग रेलवे कर्मचारियों के लिए है।

अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) लालजी चौधरी ने बताया कि रेलवे के कर्मचारियों के लिए कैंट स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास दोपहिया वाहन स्टैंड बनाया गया है जिसमें देर रात आग लगने से काफी नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि 150 से ज्यादा वाहनों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है और घटना की जांच के लिए समिति बनाई गई है।

जम्मू-कश्मीर में 4,002 पुलिस कांस्टेबल पदों के लिए 5.59 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने किया आवेदन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुलिस कांस्टेबल के 4,002 पदों के लिए 5.59 लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह परीक्षा पूरे केंद्र शासित प्रदेश में रविवार से शुरू होने वाली है। इस बीच, युवाओं के एक समूह ने यहां प्रदर्शन किया और आयु सीमा में छूट तथा परीक्षा पुनर्निर्धारित करने की मांग दोहराई। जम्मू-कश्मीर सेवा चयन भर्ती बोर्ड (एसएसआरबी) की अध्यक्ष इंदु कंवल चिब ने यहां एक बैठक में कहा, कुल 5,59,135 उम्मीदवार कांस्टेबलों (गृह विभाग) के 4,002 पदों के लिए एक दिसंबर, आठ दिसंबर और 22 दिसंबर को होने वाली परीक्षा में शामिल होंगे।

चिब ने कहा कि कांस्टेबल (कार्यकारी/सशस्त्र/एसडीआरएफ) के पदों के लिए परीक्षा एक दिसंबर को 20 जिलों के 856 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसके लिए 2,62,863 उम्मीदवार हैं। इनमें सबसे अधिक 54,296 उम्मीदवार जम्मू जिले से हैं। एसएसआरबी अध्यक्ष ने कहा कि इसी प्रकार, कांस्टेबल (दूरसंचार) के पदों के लिए आठ दिसंबर को होने वाली परीक्षा में 1,67,609 उम्मीदवार शामिल होंगे और 22 दिसंबर को कांस्टेबल (फोटोग्राफर) परीक्षा के लिए 1,28,663 उम्मीदवार शामिल होंगे। परीक्षा आयोजित करने के लिए उपायुक्तों द्वारा की गई तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने नागरिक प्रशासन और पुलिस विभाग की बैठक बुलाई थी।

बिहार सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कुमार ने दावा किया कि उनकी सरकार राज्य में किसानों के लाभ के लिए कृषि के संपूर्ण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाएं लागू कर रही है।

उन्होंने कहा कि 2005 में सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई पहल कीं। कुमार ने यहां गांधी मैदान में चार-दिवसीय 'कृषि प्रदर्शनी एग्रो बिहार 2024' का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा, नवंबर 2005 में सत्ता में आने के बाद हमने कृषि क्षेत्र के विकास और किसानों के लाभ के लिए कई पहल और योजनाएं शुरू की। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है... राज्य सरकार राज्य में किसानों के लाभ के लिए सपूर्ण कृषि क्षेत्र के उन्नयन के वास्ते विभिन्न योजनाएं लागू कर रही हैं। उन्होंने

आगे कहा, ''हमने 2008 में राज्य में कृषि विकास के लिए मसौदा पेश किया था, जिससे राज्य में फसलों, फलों और सब्जियों का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी। हमने राज्य में कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए...और इसके परिणाम बहुत सकारात्मक हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को खेती से जुड़े आधुनिक उपकरण मिल रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल रहे हैं और सरकार द्वारा शुरू की गई कई अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी का आयोजन भी सरकार की एक पहल है, जहां किसानों को कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीक के उपयोग के बारे में अद्यतन जानकारी मिल सकती है। कुमार ने राज्य के कृषि मंत्री मंगल पांडे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉल का भी दौरा किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से संबंधित 125 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। बिहार के अलावा दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल जैसे अन्य राज्यों से कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाले उपकरणों के निर्माता भी इस प्रदर्शनी में हिस्सा ले रहे हैं। बिहार के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी कृषि क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ और उद्यमी इस प्रदर्शनी में भाग ले रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, राज्य के सभी जिलों से प्रतिदिन 4,500 किसानों के लिए सरकारी खर्च पर मेले में आने की व्यवस्था भी की गई है। इसमें कहा गया कि प्रदर्शनी के दौरान किसान पाठशाला' में कृषकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जहां उन्हें नवीनतम कृषि मशीनरी, फसल अवशेष प्रबंधन उपकरण और अन्य सामग्रियों के बारे में जानकारी मिलेगी।

गोवा के मुख्यमंत्री का निजी ईमेल आईडी हैक, कुछ घंटे बाद बहाल

हैकिंग के कारण जीमेल अकाउंट को नहीं हुआ कोई 'खास नुकसान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का निजी ईमेल कुछ समय के लिए हैक हो गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जांच में सामने आया कि 19 नवंबर की रात को हैकिंग के कारण जीमेल अकाउंट को कोई 'खास नुकसान' नहीं हुआ।

अधिकारी ने बताया, गोवा पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने तुरंत कार्रवाई की और चार से पांच घंटे के बाद मुख्यमंत्री की निजी जीमेल आईडी को बहाल कर दिया। उन्होंने बताया कि हैकर का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री की जीमेल आईडी, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया से जुड़ी हुई है।

वाराणसी के एक कॉलेज में बनी मस्जिद पर वक्फ बोर्ड के दावे को लेकर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज परिसर के भीतर एक मस्जिद और उसके सामने की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे से विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, कॉलेज प्रशासन ने इन दावों को सिरे से खारिज किया है।

उदय प्रताप कॉलेज को 2018 में एक नोटिस भेजा गया था जिसमें दावा किया गया था कि परिसर में स्थित मस्जिद और कॉलेज की जमीन टोंक के नवाब द्वारा वक्फ बोर्ड को दान की गई थी।

प्राचार्य डीके सिंह ने बताया कि इसी दावे के साथ कॉलेज परिसर को वक्फ की संपत्ति बताया गया। उन्होंने कहा, यह नोटिस वाराणसी निवासी वसीम अहमद खान की ओर से भेजा गया था। कॉलेज के तत्कालीन सचिव ने उसी समय नोटिस का जवाब दे दिया था जिसमें कहा था कि मस्जिद अवैध रूप से बनाई गई है, जबकि कॉलेज की संपत्ति न्यास की है, इसे न तो खरीदा जा सकता है और न ही बेचा जा सकता है।

सिंह ने बताया कि बाद में 2022 में वक्फ बोर्ड द्वारा मस्जिद में निर्माण का प्रयास किया गया जिसे कॉलेज प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने रुकवा दिया। प्राचार्य ने आरोप लगाया कि कॉलेज के कनेक्शन से चोरी कर मस्जिद में बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था जिसे कटवा दिया गया।

बदायूं में जामा मस्जिद के नीलकंठ महादेव मंदिर होने के वाद पर सुनवाई 3 दिसंबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं (उप्र)/भाषा। जिले की एक अदालत में यहां की जामा मस्जिद के नीलकंठ महादेव मंदिर होने के वाद की पोषणीयता (सुनवाई योग्य) पर शनिवार को सुनवाई हुई और अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तिथि तीन दिसंबर तय की है। दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) अमित कुमार की अदालत ने इस मामले में मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई की तिथि तीन दिसंबर निर्धारित की। यह मामला 2022 में तब शुरू हुआ जब अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश संयोजक मुकेश पटेल ने दावा किया कि जामा मस्जिद की जगह पहले नीलकंठ महादेव मंदिर था।

उन्होंने यहां पूजा-अर्चना की अनुमति के लिए याचिका दायर की। अदालत में पेश पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर मुकदमे में सरकार की ओर से बहस पूरी हो चुकी है।

शम्सी शाही मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता असरार अहमद ने दावा किया कि मस्जिद करीब 850 साल पुरानी है और वहां मंदिर का कोई अस्तित्व नहीं है तथा हिंदू महासभा को इस मामले में याचिका दायर करने का अधिकार ही नहीं है। अदालत में पेश हुए वादी पक्ष के अधिवक्ता विवेक रेंडर ने कहा कि उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की अनुमति के लिए अदालत में ठोस साक्ष्य के साथ याचिका प्रस्तुत की है तथा यह याचिका की पोषणीयता को लेकर आज मस्जिद कमेटी ने अपनी दलीलें दीं। बदायूं में इस मामले में सुनवाई ऐसे समय में हो रही है जब गत 24 नवंबर को संभल की जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद हिंसा भड़क गई जिसमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गयी थी और 25 अन्य जख्मी हो गये थे।

एक महिला पर अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुषों को फंसाने का दबाव डाला, आरोपी महिला पर मामला दर्ज

देहरादून/भाषा। देहरादून में एक महिला पर यह दबाव डालने का मामला सामने आया है कि वह अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुषों पर अपनी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ का आरोप लगाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराए। पुलिस ने महिला पर दबाव बनाने के आरोप में हिंदू संगठन से जुड़ी सामाजिक कार्यकर्ता राधा धोनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजपुर पुलिस थाने के एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राधा धोनी ने महिला से कहा कि उसके (राधा के) पास उसकी (महिला की) बेटी के अश्लील वीडियो हैं। अधिकारी के अनुसार, राधा ने बात न मानने पर उन वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी भी दी।

पुलिस के मुताबिक, उसने पीड़ित महिला के साथ दुर्व्यवहार भी किया। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार को हुई। महिला ने पुलिस से संपर्क किया और कहा कि राधा उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुषों के खिलाफ वह शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर कर रही थी, जिसका कोई आधार नहीं था। अधिकारी ने कहा कि राधा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, सामाजिक कार्यकर्ता राधा हिंदुओं से देहरादून में मुस्लिम फेरीवालों और दुकानदारों से खरीद-बिक्री न करने के लिए कहती रही हैं।

संसद लोगों के व्यापक हित में चलनी चाहिए : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को केंद्र सरकार और विपक्ष से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि संसद के मौजूदा सत्र व्यापक देशहित में ठीक से चले जिसके लिए सरकार और विपक्ष दोनों को गंभीर होना बहुत जरूरी है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने यह अपील ऐसे समय में की है जब अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों और संभल में मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद हुई हिंसा को लेकर संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में अवरोध उत्पन्न हो रहा है।

बसपा द्वारा यहां जारी बयान के मुताबिक, अदाणी समूह पर लगा नया आरोप और संभल मस्जिद को

लेकर उभरा विवाद ऐसे चर्चित और ज्वलंत मुद्दे हैं जिसको लेकर संसद में सरकार तथा विपक्ष के बीच जबरदस्त टकराव हो रहा है। इसके कारण संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। बयान के मुताबिक, मायावती ने शनिवार को यहां उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों सहित पार्टी के अन्य सभी जिम्मेदार लोगों की बैठक को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक सशक्तीकरण के संघर्ष में दलित और आंबेडकरवादी समुदायों को एकजुट होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार की तरह ही वर्तमान में भाजपा की गरीब-विरोधी और पूंजीपतियों के हितों का समर्थन करने वाली नीतियों के खिलाफ लोगों में आक्रोश है जिससे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए यह पार्टी जातिवादी, सांप्रदायिक और संकीर्ण हथकंडे अपनाती है। मायावती ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर धार्मिक एजेंडे को संवैधानिक जिम्मेदारियों से अधिक प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के मानवतावादी और कल्याणकारी संविधान की दुहाई सभी देते हैं, लेकिन संकीर्ण स्वार्थ के कारण कोई भी सरकार इस पर सही से अमल करने और दलितों व अन्य बहुजनों के वास्तविक कल्याण के लिए कतई तैयार नहीं है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन मार्ग पर स्लैब निर्माण कारखाने का निरीक्षण किया

सूरत/वडोदरा/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को गुजरात में सूरत के निकट मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए ट्रैक स्लैब निर्माण कारखाने का निरीक्षण किया।

वैष्णव ने कहा कि किम में स्थित कारखाने के सभी उपकरण भारत में निर्माण शुरू करने से पहले जापान से लाए गए थे, जो आगामी निर्माण परियोजनाओं के लिए फायदेमंद साबित होंगे। किम में स्थित यह कारखाना भारत में सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक स्लैब कारखानों में से एक है। यहां श्रमिकों का कौशल स्तर बहुत ऊंचा है। वैष्णव ने कहा, चीजों को परखने, परीक्षण और जांच में लगे लोगों का कौशल स्तर भी बहुत ऊंचा है और उन्होंने बहुत अच्छे मानक स्थापित किये हुए हैं। जापान से उपकरण लाने के बाद भारत में विनिर्माण के अनुभव से भविष्य की निर्माण परियोजनाओं को लाभ मिलेगा। भारत की बुलेट ट्रेन परियोजना को मजबूती प्रदान करने

के लिए सूरत के पास स्थापित ट्रैक स्लैब निर्माण कारखाना उन्नत शिंकानसेन प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उच्च क्षमता वाले गिट्टी रहित ट्रैक स्लैब का उत्पादन करने के लिए बनाया गया है। परियोजना की जिम्मेदारी संभालने वाली एजेंसी नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार, यह इकाई बुलेट ट्रेन की पटरियों की स्थिरता और उनकी क्षमता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यूनुस को बांग्लादेश में 'नरसंहार' रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए : कांग्रेस नेता कर्ण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कर्ण सिंह ने बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और समुदाय के नेताओं पर हाल में हुए हमलों की शनिवार को निंदा की और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली देश की अंतरिम सरकार से इस ''नरसंहार'' को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने तथा हिंदू समुदाय को उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाने का आग्रह किया। सिंह की यह टिप्पणी बांग्लादेश के चटगांव में नारेबाजी करती भीड़ द्वारा कथित तौर पर तीन हिंदू मंदिरों

में तोड़फोड़ किए जाने के एक दिन बाद आई है।

बांग्लादेश में इस्कॉन के एक पूर्व सदस्य पर राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद से विरोध-प्रदर्शन और हिंसा देखी गई है। सिंह ने एक बयान में कहा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में रहने और 1970 के दशक में बांग्लादेश की आजादी की पूरी गाथा को व्यक्तिगत रूप से देखने के बाद, यह माना गया था कि पाकिस्तान के विपरीत, जहां इस्लामी कट्टरवाद पूरे देश में व्याप्त था, बांग्लादेश एक लोकतांत्रिक और गैर-सांप्रदायिक राष्ट्र होगा, जहां सभी धार्मिक समुदायों को देश से समान संरक्षण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत हाल में हिंदू मंदिरों, संगठनों, समुदाय के नेताओं और निजी आवासों पर बर्बर हमले किये गये, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ, यह वाकई चौंकाने वाला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ईसाई गिरजाघरों और अहमदिया समुदाय के साथ भी यही हुआ है और ये घटनाएं बेहद निंदनीय हैं। सिंह ने कहा, मैं नोबेल पुरस्कार विजेता एवं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस से आग्रह करता हूं कि वह इस नरसंहार को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं तथा हिंदू समुदाय को आश्वस्त करें कि उनका जीवन, संपत्ति और धार्मिक स्थल पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं ने दुनिया भर में हिंदू समुदाय में व्यापक चिंता पैदा कर दी है और (यह) बांग्लादेश की छवि पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने भारत की ओर से बांग्लादेश को उचित संदेश दिया है।

सुविचार

जीवन में कभी भी अपने आप को किसी से हीन या श्रेष्ठ भी न समझें, क्योंकि श्रेष्ठता अहंकार पैदा करती है और हीनता आत्मविश्वास को कम कर देती है ।

ट्वीट

पता चला कि शिंदे जी मुख्यमंत्री चुनाव को अटका कर गाँव चले गए हैं। पहले बोल रहे थे कि मोदी-शाह जो कहेंगे, उनकी राह का रोड़ा नहीं बनेंगे। अब फड़णवीस पर मुहर लग रही है तो ये उपमुख्यमंत्री नहीं बनना चाह रहे। फड़णवीस तो पाँच साल के मुख्यमंत्री थे, तब भी पार्टी और गठबंधन का कहा माना, डिप्टी सीएम बने। शिंदे जी को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज यदि पार्टी उनकी है, तो भाजपा का उसमें बहुत बड़ा हाथ है।

-अजित भारती

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मादी जी के नेतृत्व में आजीविका मिशन के माध्यम से बहनों को लखपति दीदी बनाने का अभियान जारी है। कोई बहन बहन गरीब नहीं रहेगी, यह हमारा संकल्प है।

-शिवराज सिंह चौहान

कहानी

किसका इतिहास

राजी सेठ

बीचवाला अगर बात को ही खा जाए तो बात-बात न रहकर पहाड़ हो जाती है, यह मेरी समझ में नहीं आया। बाऊजी को भैया से, भैया को बाऊजी से बचाती रही मैं। बहसें, बातें आमने-सामने की बन्द हो गयी थीं। बाऊजी मुझे सुनाकर कह देते थे जो उसे कहलाना होता था। वह मुझे कह देता था जो बाऊजी को पहुँचाना होता था और मैं सब-कुछ पेट में रख लेती थी। कुछ भी यथास्थान नहीं पहुँचता था-इसलिए पारस्परिक समझ का दायरा उतना-का-उतना ही रहता था। बाऊजी की खामोशी से भैया शायद उनके सहमत होने का अन्दाज लगाता रहा हो, और भैया के चुप रहने से बाऊजी के मन में बात के टल जाने का भ्रम बना रहता हो।

और जब एक दिन गुलेल के वार से घायल होकर नीचे आ पडऩेवाले पक्षी की तरह यह बात अचानक बाऊजी के सामने फेंकी गयी तो वह थर्रा गये, ''बाऊजी, भैया अलग रहना चाहता है शादी करके।'

बस! इतना ही फर्क पड़ा था, बातें, बहसें बन्द हो गयी थी और आवाज़ के अकाल ने घर में एक ऐसी गाढ़ी धुन्ध का रूप ले लिया था जिसमें सब आकार, रिश्ते, रिश्तों की बेहद नाजुक डोरियाँ गडमड हो गयी थीं, क्योंकि कोई समझ नहीं पाता था उन्हें कहाँ से पकड़ा जाऐ...आखिर कहीं कुछ जता सकने पर, उछाल पाने पर ही सम्बन्धों का विश्वास हाथ लगता है।

दोनों अटल थे अपनी-अपनी जगह पर। बाऊजी अपनी बात पर-शमीम इस घर में नहीं आएगी, और भैया-आएगी तो बस शमीम ही आएगी, और कोई नहीं।

माँ बीच में, जैसे एक लरजती हुई लहर, पता नहीं किसकी ज़मीन पर लेटें। दुख बाऊजी के साथ उन्होंने भी देखे थे। उस पाँच नदियों की धरती पर उठती हिंसा की लपटों के प्रतिबिम्ब उनकी आँखों में भी उतने ही ताजे थे।

दहशत-भरी ठसाठस भीड़। हर किसी में पहले चढऩे की आपाधापी...लोगों को ट्रकों में लाद-लादकर हिन्दुस्तान बॉर्डर पर पहुँचाया जा रहा था।

माल की तरह लाद दी जाने वाली गर्भिणी माँ को अपने आसपास देखते अचानक एहसास हुआ कि बाऊजी उसी ट्रक पर चढ़ नहीं पाये हैं, तो वह ट्रक से कूद पडऩे को तैयार हो गयी थीं। जाने कैसी तीखी अरक्षा उन दिनों थी...पता नहीं, कौन किससे कब, कहाँ बिछुड़ जाऐ और फिर कभी उसका मुख देखना नसीब न हो।

ड्राइवर ट्रक स्टार्ट कर चुका था। दो मजबूत हाथों ने उन्हें उसी भीड़ के ढेर में वापिस ढकेल दिया, जिसे अपनी कोहनियों से धकियाती-चीरती वह इस सिरे तक पहुँची थी। आँखों पर दुपट्टा रखे वह सारे रास्ते बिलखती आयी थीं।

अम्बाला कैम्प में पहुँचकर बौरायी आँखों से वह बाऊजी को खोजती-ढूँढ़ती भटकती फिरीं।

''क्यो भाई, दूसरा ट्रक लायलपुर से चला था?''

''चला होगा...मुझे पता नहीं बीबी।''

''क्यों भाई, कोई ट्रक लायलपुर से आया है आज...?''

''पता नहीं बीबी...कैम्प के इंचार्ज से पूछ लो।''

हर किसी की आँख में लपट की तरह जलती वही तलाश। पैर एक-दूसरे को लाँघते हुए। माँ बावरी आँधी की तरह एक तम्बू से दूसरे, दूसरे से तीसरे में भटकती फिरीं। आने वाले ट्रकों के सामने वह तब तक जमी खड़ी रहतीं, जब तक एक-एक प्राणी उतर न लेता। दाढ़ी बढ़े लोगों को वहा आँखें फाड़-फाडक़र देखतीं...क्या पता इस चेहरे के पीछे कोई दूसरा चेहरा निकल आये।

और एक दिन छावनी के पीछे वाले कैम्प में माँ को बाऊजी मिल गये...बुखार से तपते...उलटियाँ, दस्त करते...उनके शरीर का सारा पानी सूख गया था। माँ बड़ी डोल-डोल गयीं।

अच्छी-बुरी जैसी भी देखभाल हुई, उन कैम्पों में घूमती डॉक्टरों की टोलियों द्वारा हुई। बाऊजी बच गये, 'ठोकरें खाने के लिए', ऐसा वह अकसर कहते रहते थे। माँ को लगा कम-से-कम पेड़ तो बच गया, हरियाली चाहे सूख गयी है।

रक्त की कमी से पीली हो गयी माँ, ज्यादातर चुप, इधर-से-उधर करवटें बदलते, सफेद डगमग आँखों वाले बाऊजी को बार-बार पानी पिलाते-पिलाते कहतीं, ''कोई बात नहीं...होनी कोई अपने साथ ही तो नहीं हुई। सबके साथ हुई है...तुम तसल्ली रखो। जैसा लोग करेंगे, हम भी कर लेंगे। जहाँ सब कुआँ खोदेंगे, वहाँ हम भी खोद लेंगे।''

माँ के ऐसे दिलासे पता नहीं क्यों बाऊजी को कोड़ों-जैसे लगते, शायद उनका पौरुष तिलमिला उठता था, ''बस कर...अब बस कर...तू अपना ध्यान कर!''

अपना ध्यान? अपना ध्यान? न खाट थी, न चौपाल, न काम, न ठिकाना, टाट के कपड़े, ठहरा हुआ वक्त, भूख, जगराते, चिन्ता...

माँ बाऊजी से कुछ कहें, इसका क्या लाभ था। बाऊजी माँ से कुछ कहें, इसका भी क्या लाभ...

''यह दिन भी देखने थे।'' पस्त माँ ने कपड़ों की छोटी-सी गठरी कोने के हवाले करते हुए कहा। उनका चेहरा फक था, सूखा हुआ।

''वह दिन नहीं रहे तो यह भी नहीं रहेंगे...तू किसी तरह निपट जा, मैं तेरी वजह से कहीं जा नहीं पाता।'' उस बड़े-से अहाते की इस छोटी-सी कोठरी में बाऊजी ने नज़रें दौड़ाते हुए कहा।

और उसी कोठरी में अतुल का जन्म हुआ। माँ ने मुक्ति की साँस ली। तीन दिन तक पलँग की पाटी पकड़-पकडक़र वह चीखती रही थीं, और पासवाली बेबे 'सबर कर पुत्तरा, सबर कर' के निरावेग दिलासे माँ को देती रही थी, 'फल भी तो तुझे ही मिलेगा।'

उन दिनों माँ का मुँह देखकर लगता था, यह फल उन्हें न भी मिलता तो भी माँ को कोई दुख न होता। वह अकसर अतुल की तरफ पीठ करके पड़ी रहती...तब तक, जब तक वह अपनी चीख-चिल्लाहट से माँ की ऊपरी शान्ति को भंग नहीं कर देता था। माँ पलटकर अपना स्तन उसे दे देती थीं और उसके एहसास से पूरी तरह बेगानी हो जाती थीं।

मुझे बड़े असुविधाजनक लगते थे वे दिन। दहलीज़ पर बैठे-बैठे, यों ही इधर-उधर देखते होना। पढ़ाई, सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, रोटी-पकवान के लिए दिन-रात आदेशों-उपदेशों के अम्बार टपकाती माँ मुझे अब कुछ नहीं कहती थीं। न कहती थीं, सीखना ज़रूरी है। न कहती थीं, नहीं जरूरी। खुद बैठी रहती थीं और मुझे बैठे रहने देती थीं।

एक दिन बाऊजी ने डपटकर माँ से कहा था, ''जो हुआ सो हुआ, तुम इस तरह से मुँह लटकाकर वज़न की तरह बँधी रहती हो मेरी जान को...अरे, कुछ अपने होश-हवास सँभालो।''

और माँ को-कुएँ में लटकती हुई माँ को जैसे कोई वापिस ले आया था बाहर। वह सँभलने लगी थीं कतरा-कतरा बाऊजी घर में होते तो कृत्रिम लगने की हद तक वह अतिरिक्त उत्साह बिखेरतीं। उस वक्त वह उनसे भी बड़ी हो गयी दीखतीं...

दीवारों का रंग तो नहीं बदला था। वह वैसी-की-वैसी थीं चूना झाड़तीं, धब्बों में घूरतीं। पर मन का रंग बदलता गया था। कमरा सामान के बिना चौड़ा लगता था। पेट में खासे खोखल थे परन्तु सफेदपोशी ने ढक लिया था-बहुत कुछ।

साबुर घिस-भर देने से दूसरे दिन के लिए वही जोड़ा उजला हो जाता था। वही थाली बार-बार माँजी जाने पर चमक जाती थी। पतीली में चाय, दाल और कभी-कभी सब्जी पक जाती थी और उसी में रात को, सबेरे नमकवाली रोटी के साथ खाने को छाछ के लिए पेंदा-भर दही जम जाता था। डालडा भी घी-जैसा ही लगता था। उसकी छौंक ऐसी क्या बुरी थी।...अचार कच्चे आम काटकर नमक-मिर्च-भर डाल देने में खासा खाने लायक हो जाता था; तेज़, हल्दी, सौंफ, मेथी, मर्तबान की ज़रूरत क्या थी।

सब-कुछ हो जाता था...बस! अगर याद न किया जाऐ। तुलना न हो उस अतीत से...गलीचों, कुर्सियों, कारों में फिसलते वक्त के उस वकफे से, जिसे किस्मत ने पूरी बेरहमी से काटकर इतना अलग फेंक दिया था कि वह अपने वजूद का हिस्सा ही नहीं लगता था।

सब ठीक था अगर याद न आये कि वहाँ ज़िन्दगी कैसी थी...क्यों थी...और अब कैसी है, क्यों है, जिसके कारण है...

कुछ नहीं बिगड़ता था यदि तुलना न हो, शिनाख्त न हो। ऐशो आराम की तरफ से तो आँख मूँदी जा सकती थी पूरी तरह...

यह शिनाख्त किस तरह शमीम के इस घर में आ जाने से उबरकर सामने आ जाती है...किस तरह वह मात्र एक औरत, एक इनसान, एक पुत्रवधू न रहकर, एक इतिहास, एक जाति, एक परिस्थिति, जलावतन की कँटीली याद का दंश बन जाती है...। उसके होते रहते किस तरह बींध-बींध जाए करेंगे स्मरण...वह विस्थापन, वह कैम्पों में इधर-से-उधर भूख-प्यास से भटकते होना। वह हाथ न फैलाने की शर्म में दिन-रात अपने आप को खाते होना।...वह इतनी मेहनत के लिए अनभ्यस्त कन्धे...परीक्षा!...इतनी बड़ी परीक्षा...इतनी कड़ी परीक्षा...

''तुम इतना तो सोचो,'' उठते-उठते बाऊजी भैया को कोंचते, ''अभी तो मेरे तन-मन से गर्दिश के निशान भी नहीं मिटे...अपनी माँ की तरफ देख, कैसी झल गयी है...अभी तक उसके चेहरे का रंग वापिस नहीं आया...बहिन अभी घर बैठी है..अन्धा हो गया है...क्या ज़रूरी है, हर बात मैं खोलकर कहूँ! तुम कह सकते हो...कहते ही हो...मैं आर्थोडॉक्स हूँ, बदलता नहीं हूँ...क्या ज़रूरी है बदलना इतने बड़े बदलाव को बरदाश्त करने के बाद। यह हड्डियाँ अभी पूरी तरह सिंकी तक नहीं हैं...।''

''किसने कह दिया तुम्हें मैं कौम का बदला आदमी से लेने बैठा हूँ'' बाऊजी अपनी छाती पर हाथ मारते हुए कहते, ''अरे! मैं आदमी की बात करता हूँ...आदमी की...अपनी...मैं तुम्हें आदमी नहीं दीखता?...और यह कौम? ...कौम कौन-सी चिड़िया का नाम है?...वह नाम लडऩे के लिए होता है-कौम का नाम।...सहने के लिए होता है आदमी-निपट नंगा, बेबस आदमी...देख नहीं रहा अपनी आँखों से।'' बाऊजी उसके सामने तराजू उठाते रहने से पड़ गये गड्ढों से भरे अपने हाथ फैला देते।

''कैसे भूल जाऊँ?...कौन-सी जन्नत मिल नहीं गयी है कि भूल जाऊँ...अरे! तुझे कालिज करवा रहा हूँ तो तू बड़ा चौधरी हो गया है...यह सारा जुबानी जमा-खर्च तू अपने पास रख...मुझे सिखा रहा है भूल जाओ...तेरे लिए मुमकिन है भूल जाना...वह तेरे सफ़र का एक हिस्सा है...मेरा नरक तो ज़िन्दगी के इसी टुकड़े पर खड़ा है...तू क्यों नहीं भूल जाता?...तू ही भूल जा एक छोटी-सी बात...''

''तो फिर कह दे,'' भैया ने यह सब सुनते-सुनते अघाकर मुझे कहलवाया था, ''मेरा फ़ैसला यदि घर का फैसला नहीं हो सकता तो यह घर मेरा नहीं है। मुझे ऐसा करने का अफ़सोस है पर...''

बीचवाला अगर बात को ही खा जाए तो बात-बात न रहकर पहाड़ हो जाती है, यह मेरी समझ में नहीं आया। बाऊजी को भैया से, भैया को बाऊजी से बचाती रही मैं। बहसें, बातें आमने-सामने की बन्द हो गयी थीं। बाऊजी मुझे सुनाकर कह देते थे जो उसे कहलाना होता था। वह मुझे कह देता था जो बाऊजी को पहुँचाना होता था और मैं सब-कुछ पेट में रख लेती थी। कुछ भी यथास्थान नहीं पहुँचता था-इसलिए पारस्परिक समझ का दायरा उतना-का-उतना ही रहता था। बाऊजी की खामोशी से भैया शायद उनके सहमत होने का अन्दाज लगाता रहा हो, और भैया के चुप रहने से बाऊजी के मन में बात के टल जाने का भ्रम बना रहता हो।

और जब एक दिन गुलेल के वार से घायल होकर नीचे आ पडऩेवाले पक्षी की तरह यह बात अचानक बाऊजी के सामने फेंकी गयी तो वह थर्रा गये, ''बाऊजी, भैया अलग रहना चाहता है शादी करके।''

बाऊजी के चेहरे पर पहले तो एक परत अबूझ जिज्ञासा, फिर अपने ध्वस्त विश्वास को फेंके हुए काग़ज़ की तरह वापिस हाथ में लेते हुए बोले, ''क्या अभी अड़ा हुआ है वह वहीं...?''

''जीऽऽ! बाऊजी!'' कहते-कहते मुझे डर-सा लगा, पता नहीं किस बात का।

''क्यों? उसकी हिम्मत कहाँ गयी जो तुझसे कहलवाया है...उसके मुँह में रोड़े पड़े हैं क्या? गीदड़ की औलाद।''

''वह कहता है आपसे बहस करने का फायदा नहीं।''

''हाँ। फायदा तो नहीं...वह ज़ख्म बच्चू के अपने जिस्म पर नहीं पड़े न...नहीं तो पूछता...वह क्या जाने।''...उनकी आँखों के सामने एक तेज दौड़ता हुआ बवंडर फिर से घूम गया लगा। वह कुछ ठहरकर बोले, ''अपनी माँ से पूछ लिया है उसने?''

''जीऽऽ...''

वह ऐसे चौंके जैसे उनकी देह पर किसी ने जलता हुआ अंगारा रख दिया हो।

''हूँऽऽऽ! वह भी तो नहीं कहती कि बेटे के साथ जाएगी...वहीं रहेगी जाकर...?''

जवाब माँगने के लिए उन्होंने यह सवाल नहीं किया था। जवाब उन्हें मालूम था...जवाब सुनने के लिए वह रुके भी नहीं। लेटे थे, उठकर इधर-उधर टहलना शुरू कर दिया।

इसके बाद तो चुप...भारी-सी चुप। चलते कदमों की तेज-धीमी खिसखिसाहट...बीच-बीच में रसोई में बर्तन खटकने और फूँकनी से चूल्हा फूँकने की माँ की आवाज़ और कडुआता हुआ धुँआ।

बीच में पसरे हुए ऐसे समय के खामोश तनाव को और किसी तरह तोड़ा नहीं जा सकता था।

''आपका खाना लाऊँ?'' मैंने पूछा।

''नहीं!'' आवाज़ कडक़ थी, ''तुम सब खा लो...सोओ...मुझे नहीं खाना...मुझे भूख नहीं है...।'' आवाज़ पस्त थी।

इन दो सिरों के बीच की छोटी-सी ज़मीन पर इतना लम्बा सफ़र?

मुझे दर्द हुआ...धँसता-उधेड़ता दर्द...बाऊजी के लिए।

''आप खा लीजिए, बाऊजी, मैं उसे फिर से समझाऊँगी...समझा लूँगी।''

''तू क्या समझाएगी...और वह भी क्यों समझेगा...आख़िर यह मेरा इतिहास है, उसका नहीं...वह मेरे जख्म थे, उसके नहीं...यह दर्द भी मेरा ही है, बस मेरा...इसे मेरे आयाम में खड़ी मेरी हमसफ़र पीढ़ी ही समझ सकती है, मेरी भावी नहीं...जा! कह दे उससे...''

टहलते-टहलते वह धप्प से खाट पर बैठ गये थे। घुटनों पर कोहनियाँ टिकाकर अपना सिर उन्होंने अपनी दोनों हथेलियों में दे लिया था।

''कह दे जाकर उससे...कर ले शादी...ले ले मकान...किराये की फिकर न करे...मैं दे दूँगा किराया...कह देना यह भी, निपट-निपट कर जल्दी दुकान पर आये...मेरी बुड्ढी हड्डियों में अब...''

''माँ ऽऽ आँ!'' मैंने बाऊजी की कितनी-कितनी ज़रूरतों को समझते हुए माँ को ज़ोर से पुकारा।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

अकाल मृत्यु हरणं

जगत सतत गतिमान है। जगत सतत परिवर्तनशील है। जो कल था, वह आज नहीं है। आज है वह कल नहीं होगा। क्षण-क्षण, हर क्षण परिवर्तन हो रहा है। यह क्षण वर्तमान है। अगले क्षण, पिछला क्षण निवर्तमान है।

उपरोक्त बिंदुओं से लगभग हर व्यक्ति शाब्दिक स्तर पर सहमत होता है। तथापि जैसे ही परिवर्तन स्वयं पर लागू करने का समय आता है वह ठिठक जाता है, ठहर जाता है। अपनी स्थिति में परिवर्तन सहजता से स्वीकार नहीं करता।

अपनी स्थिति में परिवर्तन स्वीकार न कर पाना ही जड़ता है। भौतिकविज्ञान में जड़ता का नियम है। यह नियम कहता है कि किसी वस्तु का वह गुण जो उसकी गति की अवस्था में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का विरोध करता है, जड़त्व (इनर्शिया) कहलाता है। यदि कोई वस्तु विराम अवस्था में है तो वह विराम अवस्था में रहना चाहती है और यदि कोई वस्तु एक समान वेग से गतिशील है तो गतिशील रहना चाहती है, जब तक कि कोई बाह्य बल उसको अपनी अवस्था में परिवर्तन के लिए विवश न कर दे।

विज्ञान, जड़त्व के तीन प्रकार प्रतिपादित करता है, 1) विराम का जड़त्व, 2) गति का जड़त्व और 3) दिशा का जड़त्व। ज्ञान अर्थात अध्यात्म जड़त्व को समग्रता से देखता है। विज्ञान नियम को स्थूल के स्तर पर लागू करता है। अध्यात्म इसे सूक्ष्म तक ले जाता है।

जड़त्व हमारे सूक्ष्म में अपनी जगह बना चुका। सास चाहती है कि कुर्सी गत बीस वर्ष से जहाँ रखी जाती है, वहाँ से इंच भर भी दायें-बायें न हिलाई जाय। बहू कुर्सी की दशा और दिशा दोनों बदलना चाहती है। समय के साथ बहू वांछित परिवर्तन कर भी लेती है। लेकिन अब उसे भी अपने कार्यकलाप और कार्यप्रक्रिया में कोई बदलाव स्वीकार नहीं। वह अब अपनी जड़ता का शिकार होने लगती है।

तन और मन में बसी जड़ता परिवर्तन नहीं चाहती। ऑफिस का समय बदल जाए तो लोग असहज होने लगते हैं। ऑफिस में उपस्थिति बायोमेट्रिक हुई तो लगे कोसने। कइयों को तो जो नया है, वह निरर्थक लगता है। कम्प्युटर आया तो मैनुअल तरीके से काम करने के पक्ष में मोर्चे निकले। मोबाइल आया तो लैंडलाइन का जमकर गुणगान करने लगे। कार्यकलाप ऑनलाइन हो चले पर परिवर्तन के विरोध ने काफी समय तक ऑफलाइन ही बनाये रखा।

परिवर्तन का विरोध करनेवाला मनुष्य क्या सारे परिवर्तन रोक पाता है? चेहरे पर झुर्रियाँ बढ़ रही हैं। एंटी एजिंग लोशन लगा-लगाकर थक चुके। रोक लो झुर्रियाँ, रोक सकते हो तो! उम्र हाथ से सरपट फिसल रही है, थाम लो, थाम सकते हो तो! जीवन, मृत्यु की दिशा में यात्रा कर रहा है। बदल दो दिशा, बदल सकते हो तो!

वस्तुत: भीतर का भय, परिवर्तन को स्वीकार नहीं करने देता। भयभीत व्यक्ति आगे कदम नहीं उठाता। जहाँ का तहाँ खड़ा रहता है।

परिवर्तन सृष्टि का एकमात्र नियम है जो परिवर्तित नहीं होता। परिवर्तन चेतन तत्व है। चेते रहने, चैतन्य रहने के लिए परिवर्तन के साथ चलो, कालानुरूप कदमताल करो। अन्यथा काल चलता रहेगा, जड़ता का शिकार पीछे छूटता जाएगा। सृष्टि साक्षी है कि जो काल से पीछे छूटा, अकाल नाश को प्राप्त हुआ।

सनातन संस्कृति जब प्राणीमात्र के लिए 'अकाल मृत्यु हरणं' की कामना करती है तो जड़ता के अवसान और चैतन्य के उत्थान की बात करती है।

जड़ता को झटको। काल के अनुरूप चलो। सदा चैतन्य रहो।

बोध कथा

अच्छा होता अगर तू भी सोया रहता !!

स्वामी सेवानंदजी के दो शिष्य थे रामानंद और चेतनानंद। ब्राह्ममुहूर्त में उठकर जप-ध्यान, संध्या,शास्त्राध्ययन करना उनका नित्य-नियम था। उनकी तत्परता देख स्वामी जी दोनों शिष्यों से संतुष्ट रहते थे।

एक दिन रामानंद देर तक सोया रहा। चेतनानंद ब्राह्ममुहूर्त में उठकर अपना नित्य-नियम पूरा करके सेवा में लग गया।

दूसरे दिन भी रामानंद ब्राह्ममुहूर्त के समय सोता हुआ मिला। इस प्रकार लगातार 3-4 दिन बीत गये।

आखिर चेतनानंद गुरुजी के पास पहुँचा और शिकायत करते हुए बोला : ''गुरुदेव ! रामानंद आजकल प्रातः ईश्वरोपासना करता ही नहीं है। वह तो सोया ही रहता है।

गुरुजी बोले : ''अच्छा होता अगर तू भी सोया ही रहता।

चेतनानंद, स्वामीजी की यह बात सुनकर सकपका गया। वह तो सोच रहा था कि गुरुजी उससे प्रसन्न होंगे, शाबाशी देंगे लेकिन यह क्या, गुरुजी तो नाराज हो गये !

उसने साहस करते हुए फिर से कहा : ''गुरुदेव ! मैं अपने बारे में नहीं, रामानंद के बारे में बात कर रहा हूँ। वह देर तक सोता रहता है, उसके बारे में क्या करना चाहिए ?

गुरुजी : ''मैं रामानंद के बारे में चिंतित नहीं हूँ। मैं तुम्हारे बारे में चिंतित हूँ। मैं कहता हूँ कि तुम भी यदि सोये रहो तो अच्छा ही होता।

''ऐसा क्यों गुरुजी ? मेरे सोने से किसको लाभ होगा ?

''तुमको ही लाभ होगा। तुम परनिंदा और राग-द्वेष से बचे रहोगे।

तब चेतनानंद ने तुरंत अपनी सफाई में कहा : ''मैं निंदा नहीं कर रहा हूँ गुरुजी ! रामानंद सचमुच में 4 दिन से देर तक सोता रहता है। मुझे उसके प्रति द्वेष नहीं है,तभी तो मैं उसकी गलती गुरुजी को बता रहा हूँ जिससे वह सुधर जाय !

''बेटा ! क्या तुमने 4 दिनों में यह जानने की कोशिश की कि रामानंद क्यों देर तक सोता रहता है ? क्या तुमको पता है कि उसे बुखार है ? वह सोया रहता है, ईश्वरोपासना नहीं कर पाता लेकिन किसी की निंदा भी तो नहीं करता ! परनिंदा, परदोष-दर्शन से तो वह बचा हुआ है ! तुम तो परनिंदा के भागी बन रहे हो। तुम्हारा कर्तव्य था कि पहले उससे देर तक सोने का कारण पूछते। यदि वह गलत रास्ते जा रहा है तो उसे समझाते। अगर वह फिर भी नहीं मानता तब यह बात उसके सामने मुझसे बोलनी चाहिए थी। तुमने तो ऐसा किया नहीं।

चेतानंद ने गुरुजी की कल्याणकारी बात को सकारात्मक भाव से लिया। उसे अपने मन में छिपी खुद को अच्छा दिखाने की वासना और गुरुभाई के प्रति द्वेष की सूक्ष्म भावना दिखने लगी। उसने गुरुदेव से हृदयपूर्वक क्षमा माँगी और रामानंद के सामने भी अपना हृदय निष्कपटतापूर्वक खोलकर रख दिया। इससे दोनों गुरुभाइयों में पहले से भी ज्यादा स्नेह बढ़ गया और उनके आपसी स्नेह और समझदारी की वजह से उन्हें गुरुदेव की प्रसन्नता भी प्राप्त हुई।

जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति बदलते हैं फिर भी जो अबदल है, उस आत्मा में 'मैं' पने की मधुरता जगी। जीवन्मुक्त महापुरुष की कृपा से शिष्य भी परम वैभव परमात्म-साक्षात्कार को प्राप्त हो गये। धन्य हैं ऐसे सत्शिष्य जो सद्गुरुओं की अनुभूति को अपनी अनुभूति बना लेते हैं !

सीख : हमें भी किसी की शिकायत बिना हकीकत जानें नहीं करनी चाहिए और पहले स्वयं समझाने का प्रयास करना चाहिए,नहीं मानें तब बड़ों को उसके सामने बताना चाहिए । यदि गलती से किसी निंदा हो जाये तो चेतनानंद की तरह उससे क्षमा मांगकर अपना हृदय स्वच्छ कर लेना चाहिए।

वीर गाथा

जगमोहन नाथः तीन युद्ध लड़े, दो बार बने महावीर चक्र विजेता

विंग कमांडर जगमोहन नाथ का जन्म 8 अगस्त, 1930 को जयपुर में हुआ था। पिता कमल नयन राय के बहादुर बेटे जगमोहन को दो बार महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वे साल 1948 में कोयंबटूर में वायुसेना प्रशासनिक कॉलेज में भर्ती हुए थे। उन्होंने साल 1962 के युद्ध से पहले और उसके दौरान अक्साई चिन और तिब्बत में टोही मिशनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

एक ऑपरेशनल स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर के तौर पर जगमोहन नाथ ने कई खतरनाक मिशन पूरे किए थे। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उड़ानें भरीं और दुश्मन से जुड़ीं कई गुप्त सूचनाएं अपने उच्चाधिकारियों तक पहुंचाईं। उन्होंने असाधारण वीरता और अत्यंत उच्च स्तर का कर्तव्य-बोध दिखाया, जिसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

चीन के साथ युद्ध खत्म हुआ ही था कि साल 1965 में एक बार फिर जंग के नगाड़े बज उठे। इस बार पाकिस्तान ने हमारे देश पर हमला किया था। अब जगमोहन नाथ स्क्वाड्रन लीडर बन चुके थे। उन्हें स्ट्रेटेजिक फोटो रिकोनैसेंस स्क्वाड्रन के फ्लाइट कमांडर की जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। वे कैनबरा विमान उड़ा रहे थे, जिसे देखकर दुश्मन के दिल दहल उठते थे।

जगमोहन ने दुश्मन के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी हासिल करने के लिए उसके इलाके में कई बार जोखिम भरी उड़ानों का नेतृत्व किया था। बिना सुरक्षा वाले ये मिशन, जो कि टोही प्रकृति के थे, दिन के उजाले में दुश्मन के इलाके और अच्छी तरह से सुरक्षित हवाईअड्डों और प्रतिष्ठानों के ऊपर लंबी दूरी तक उड़ान भरने के लिए थे।

जगमोहन जानते थे कि ऐसे किसी भी मिशन के दौरान दुश्मन उनके विमान को निशाना बना सकता है। इसके बावजूद वे हर मिशन की जिम्मेदारी आगे बढ़कर स्वीकार करते थे। उन्होंने दुश्मन के इलाके में जाकर जो जानकारी हासिल की, उसके आधार पर उच्चाधिकारियों ने रणनीति बनाई और जोरदार धावा बोला था। उस युद्ध में भारतीय जवानों ने दुश्मन के परखच्चे उड़ा दिए थे। स्क्वाड्रन लीडर जगमोहन नाथ को साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए एक बार फिर महावीर चक्र से सम्मानित किया गया।

साल 2021 में जगमोहन (तब वायुसेना से से.नि.) ने कहा था कि मैंने तीन युद्ध लड़े हैं- 'पहला, चीन के खिलाफ; दूसरा, पाकिस्तान के खिलाफ; तीसरा, कोरोना महामारी के खिलाफ।' उन्होंने तीसरा युद्ध भी जीता। वे 21 मार्च, 2023 को भारत मां की गोद में चिरनिद्रा में लीन हो गए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.**RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जोया अख्तर 21वें माराकेच फिल्म फेस्टिवल की जूरी का बनीं हिस्सा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार जोया अख्तर को 21वें माराकेच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी सदस्य के रूप में चुना गया है।

माराकेच फिल्म फेस्टिवल 29 नवंबर से 07 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। इंडियन सिनेमा में अपनी मजबूत कहानी और अनोखे काम के लिए जानी जाने वाली जोया अख्तर फेस्टिवल के बेस्ट फिल्म के प्रतिष्ठित पुरस्कार एटोइल डी'ओर के विजेता का चयन करने में मदद करेंगी।

माराकेच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस बार फिल्म इंडस्ट्री की कुछ बड़ी हस्तियां शामिल होंगी और जूरी की अध्यक्षता इटालियन डायरेक्टर लुका गुआडाग्निनो करेंगे। इस साल का फेस्टिवल उभरते हुए फिल्म मेकर्स को उजागर करेगा, विविधता को सेलिब्रेट करेगा और मोरक्को और ग्लोबल फिल्म इंडस्ट्री के बीच एक पुल की तरह काम करता रहेगा। फेस्टिवल 29 नवंबर, शुक्रवार को शुरू हुआ है, जिसमें ग्लोबल आर्टिस्ट्स और सिनेमा की आवाज़ों को सम्मानित करने के साथ, मोरक्कन संस्कृति का जश्न मनाया जाएगा। ओपनिंग सेरेमनी में नौ सदस्यीय जूरी पैनल का परिचय कराया गया है, जिसमें पांच महाद्वीपों के नौ देशों से टॉप इंटरनेशनल टैलेंट शामिल हैं, जो फिल्म की यूनिवर्सल अपील को उजागर करती हैं। जोया अख्तर के साथ-साथ जूरी में वर्ल्ड सिनेमा के कुछ बड़े नाम जैसे ईरानी डायरेक्टर अली अब्बासी, अमेरिकी एक्टर पैट्रिशिया आर्क्वेट, बेल्जियम की अभिनेत्री वर्जिनी इफिरा, ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता जैकब एलोर्डी, ब्रिटिश-अमेरिकी एक्टर एंड्रयू गारफील्ड, मोरक्को की एक्ट्रेस नादिया कौंडा और अर्जेंटीना के डायरेक्टर सैंटियागो मिट्रे शामिल हैं। 21वें माराकेच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में विश्व सिनेमा का जश्न मनाया जाएगा, और यह एक बेहद रोमांचक और स्टार-ग्लैमेड इवेंट होगा। जोया अख्तर की जूरी में मौजूदगी भारतीय सिनेमा की बढ़ती इंटरनेशनल पहचान को दर्शाती है और उनके वर्ल्ड सिनेमा में योगदान को सम्मानित करती है।

जॉर्जिया में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प, 100 से अधिक गिरफ्तार

त्बिलिसी(जॉर्जिया)/एजेन्सी। जॉर्जिया को यूरोपीय संघ में शामिल करने के प्रयास के तहत शुरू हुई वार्ता को रोकने के सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच शुक्रवार रात को हुई झड़प के मामले में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। देश के आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। देश की सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी के प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्जे द्वारा बृहस्पतिवार को वार्ता स्थगित करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को लगातार दूसरी रात विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों की शुक्रवार देर रात राजधानी त्बिलिसी और काला सागर बंदरगाह बटुमी सहित कई प्रमुख जॉर्जियाई शहरों में पुलिस के साथ झड़प हुई।

एसोसिएटेड प्रेस के संवाददाताओं ने देखा कि त्बिलिसी में प्रदर्शनकारियों को पुलिस द्वारा दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया, जबकि प्रदर्शनकारी देश की संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। दंगा पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को इमारत से दूर रखने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया और बाद में उन्हें शहर के मुख्य मार्ग रुस्तावेली एवेन्यू से पीछे धकेल दिया। पुलिस ने मीडियाकर्मियों के खिलाफ भी भारी बल का प्रयोग किया तथा लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर भीड़ को अपशब्द कहें। देश में 26 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव में 'जॉर्जियाई ड्रीम' की विवादित जीत हुई, जिसे व्यापक रूप से जॉर्जिया की यूरोपीय संघ में शामिल होने की आकांक्षाओं पर जनमत संग्रह के रूप में देखा गया। इसकी जीत के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों की शुरुआत हुई और विपक्ष ने संसद का बहिष्कार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

विपक्ष ने दावा किया कि जॉर्जिया के पूर्व शाही नेता ने रूस की मदद से मतदान में धांधली की। उसने दावा किया कि रूस, जॉर्जिया को अपने नियंत्रण में रखना चाहता है। जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने बृहस्पतिवार को प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और आरोप लगाया कि सरकार ने अपने ही लोगों के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में पुलिस से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग न करने का आग्रह किया। यूरोपीय संघ ने दिसंबर 2023 में जॉर्जिया को उम्मीदवार का दर्जा इस शर्त पर दिया था कि वह उसकी सिफारिशों को लागू करेगा, लेकिन इस साल की शुरुआत में ''एक विदेशी प्रभाव'' कानून के पारित होने के बाद उसने संघ में शामिल होने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी और वित्तीय सहायता में कटौती कर दी गई, जिसे व्यापक रूप से लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के लिए झटका माना जाता है।

ऐसे मामलों में मेरी पत्नी का नाम घसीटना अस्वीकार्य, जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं : राज कुंद्रा

नई दिल्ली/भाषा। कारोबारी राज कुंद्रा ने अपने परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बाद मीडिया को सीमा में रहने की नसीहत दी और कहा कि ऐसे मामलों में उनकी पत्नी व अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का नाम न घसीटा जाए जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं है। ईडी ने ने अश्लील सामग्री (पॉर्नोग्राफी) के कथित वितरण से जुड़े धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में कुंद्रा और कुछ दूसरे आरोपियों के परिसरों पर शुक्रवार को छापे मारे थे।

कुंद्रा ने कहा कि वह पिछले चार वर्ष से जारी जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं जबकि मीडिया में इसके विपरीत खबरें दिखाई गई हैं। कुंद्रा ने छापे मारे जाने के बाद पहली प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्रवार को 'इंस्टाग्राम' स्टोरी में लिखा, जहां तक 'पॉर्नोग्राफी' और 'धनशोधन' के दावों का सवाल है, तो हम बस इतना कहना चाहेंगे कि किसी भी तरह की सनसनीखेज बात सच्चाई को नहीं छिपा पाएगी, अंत में न्याय की जीत होगी!

उन्होंने लिखा, मीडिया से एक अनुरोध: मेरी पत्नी का नाम बार-बार ऐसे मामलों में न घसीटें जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं है। कृपया सीमा में रहें...!!! साल 2009 में कुंद्रा से विवाह करने वाली शेट्टी ने अब तक छापों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले शेट्टी के वकील प्रशांत पाटिल ने कहा कि यह कार्रवाई अभिनेत्री के खिलाफ नहीं है और कुंद्रा सच्चाई सामने लाने के लिए जांच में सहयोग कर रहे हैं। मई, 2022 का धनशोधन का यह मामला कुंद्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर मुंबई पुलिस की दो प्राथमिकियों और आरोपपत्र से जुड़ा है।

कैटरीना कैफ को अपनी स्टाइल टीम का सूबेदार मानते हैं विक्की कौशल

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल अपनी पत्नी कैटरीना कैफ को अपनी स्टाइल टीम का सूबेदार मानते हैं। विक्की कौशल ने कहा कि उनकी पत्नी कैटरीना ने उनकी अलमारी का चार्ज ले लिया है। विक्की कौशल ने कहा कि कैटरीना इस बात का ध्यान रखती हैं कि वह 'थोड़ा प्रेजेंटेबल' दिखें। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कैटरीना को अपनी स्टाइलिंग टीम का 'सूबेदार' कहा है।

विक्की कौशल ने स्वीकार किया कि वे 'फैशन में अक्षम' हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वे प्रेजेंटेबल दिखने के लिए एक टीम पर निर्भर हैं।उन्होंने कहा कि वे अपने लुक को सही बनाने के लिए 'सेना' पर निर्भर हैं।विक्की कौशल ने कहा, 'मैं वास्तव में एक फैशन में अक्षम व्यक्ति हूं। मैं खुद को थोड़ा प्रेजेंटेबल बनाने के लिए सेना पर निर्भर हूं।'

ये काली काली आंखें में विक्रांत के किरदार को मिले प्यार और प्रशंसा ने मुझे बेहद खुशी दी है : ताहिर

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेता ताहिर राज भसीन का कहना है कि शो ये काली काली आंखें में विक्रांत के किरदार को मिले प्यार और प्रशंसा ने उन्हें बेहद खुशी दी है।

हाल के वर्षों में सिनेमा और ओटीटी ने नायकों के चित्रण में बड़ा बदलाव देखा है। नैतिक रूप से जटिल और हिंसक नायकों का उदय हुआ है। ये किरदार अब सिर्फ 'अच्छे' या 'बुरे' नहीं होते, बल्कि वे ऐसे त्रुटिपूर्ण व्यक्ति होते हैं, जो व्यक्तिगत न्याय, बदला या अस्तित्व के लिए प्रेरित होते हैं। ऐसा ही एक किरदार है विक्रांत, जिसे ताहिर राज भसीन ने 'ये काली काली आंखें' में निभाया है। ताहिर के सटीक अभिनय ने इस किरदार में गहराई और वास्तविकता का भाव जोड़ा है। विक्रांत सिर्फ हालात का शिकार नहीं है, बल्कि अपनी किस्मत का स्वयं निर्माता है। ताहिर राज भसीन ने विक्रांत के रूप में जो किरदार निभाया है, वह उसकी हिंसा और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाता है, जिससे वह एक सच्चा बहुआयामी चरित्र बन जाता है। ताहिर राज भसीन ने कहा,विक्रांत इच्छा और हताशा, प्रेम और बदले के बीच फंसा हुआ है। 'ये काली काली आंखें' में उसकी यात्रा दो सीजन तक असहायता, अपराध बोध, मुक्ति और जीवन की कठोर सच्चाइयों से गुजरती है।

वित्तीय प्रौद्योगिकी, एआई के उद्यमियों को भारत-यूरोपीय व्यापार मंच में मिले पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारत और यूरोप के बीच सीमा-पार साझेदारी को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अग्रणी उद्यमियों को लंदन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स परिसर में शुक्रवार को आयोजित वार्षिक भारत-यूरोपीय व्यापार मंच (आईईबीएफ) की बैठक में पुरस्कार प्रदान किए गए। 'आईईबीएफ ग्लोबल बिजनेस मीट-2024' का उद्देश्य 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने के भारत के लक्ष्य द्वारा पेश किए गए कई व्यापार और निवेश अवसरों पर प्रकाश डालना था।

वेल्श के भारतीय लेबर सांसद कनिष्क नारायण ने कहा, मेरे लिए वह बात जो ब्रिटेन और भारत को सबसे अधिक निकटता से जोड़ती है, वह यह है कि हम दो देश हैं जो भविष्य की ओर अग्रसर हैं। नारायण हाल ही में द्विपक्षीय आदान-प्रदान के लिए संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत की यात्रा से लौटे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हम विकसित भारत के दृष्टिकोण के बारे में बात करते हैं, जिसका लक्ष्य अब से लेकर 2047 तक की अवधि में अपने सकल घरेलू उत्पाद को 10 गुना करना है, वहीं (ब्रिटेन में) सरकार का प्राथमिक मिशन आर्थिक वृद्धि है... इसलिए हमारा हित एक गहन साझा हित है। हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें काफी समानता है।

इस समारोह में सम्मानित होने वालों में रिबन पीएलसी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष जानी को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों की जटिलताओं से निपटने में लाखों भारतीय छात्रों और पेशेवरों की सहायता करने के उनके प्रयासों के लिए 'फिनटेक ऑफ द ईयर' का पुरस्कार दिया गया। श्रीराम अय्यर को 'प्रिज्मा डॉट एआई' के चेयरमैन और सीईओ के रूप में ग्लोबल फर्म ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला। उन्हें यह पुरस्कार एआई-संचालित दृश्य पहचान के क्षेत्र में क्रांति लाने, छवि और वीडियो विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने के लिए दिया गया।

इटली के शीर्ष नौसेना अधिकारी ने भारतीय पश्चिमी नौसेना कमान प्रमुख से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इटली की नौसेना के वाइस एडमिरल एंतोनियो नताले ने यहां पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह से मुलाकात की और समुद्री क्षेत्र में अंतर-संचालन और सहयोग बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। नौसेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। नताले और सिंह के बीच बैठक शुक्रवार को हुई। वाइस एडमिरल नताले 28 नवंबर से तीन दिसंबर तक मुंबई के दौरे पर हैं।

नौसेना ने कहा, समुद्री क्षेत्र में अंतर-संचालन और सहयोग बढ़ाने से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। नताले ने मुंबई नौसेना डॉकयार्ड में स्थित गौरव स्तम्भ पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इतालवी एडमिरल की यह यात्रा इतालवी नौसेना के प्रशिक्षण पोत आईटीएस अमेरिगो वेस्पुची की 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक मुंबई यात्रा के दौरान हुई है।

दुनिया का सबसे खूबसूरत जहाज माना जाने वाला अमेरिगो वेस्पुची 250 सदस्यों के चालक दल के साथ एक जुलाई 2023 को ला स्पेजिया से रवाना हुआ और इस सप्ताह के प्रारंभ में मुंबई बंदरगाह प्राधिकरण के इंदिरा गोदी पर पहुंचा। इस पोत का मुंबई 28वां पड़ाव है। यह 28 देशों और पांच महाद्वीपों में 30 बंदरगाहों की यात्रा पर निकला है।

विजयेंद्र कुमेरिया ने शेयर किए शो दीवानियत से जुड़े राज

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेता विजयेंद्र कुमेरिया ने स्टार प्लस के शो दीवानियत से जुड़े राज के बारे में बताया है। शो दीवानियत एक रोमांचक और दिलचस्प कहानी लेकर आया है, जिसमें विजयेंद्र कुमेरिया (देव), कृतिका सिंह यादव (मन्नत) और नवनीत मलिक (जीत) मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस समय शो का ट्रैक देव, जीत और मन्नत के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जहां मन्नत और जीत अपने प्यार के लिए संघर्ष करने का फैसला करते हैं और शादी के लिए तैयार हैं।

मेकर्स ने हाल ही में शो दीवानियत का एक दिलचस्प प्रोमो जारी किया है, जो एक बड़े ट्विस्ट की तरफ इशारा कर रहा है, जो दर्शकों को चौंकाने के साथ अपनी ओर खींचने वाला है। ऐसे में, प्रोमो की शुरुआत होती है जीत और मन्नत के साथ, जो अपने प्यार की जीत और परिवारों के झगड़े खत्म होने का जश्न मना रहे होते हैं। दोनों अपनी शाही शादी की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन अंत में एक ट्विस्ट आता है, जब मंडप पर मन्नत के साथ जीत नहीं, बल्कि देव नजर आता है। प्रोमो में नजर आता है कि अनचाहे हालातों के चलते देव और मन्नत, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं, आपस में शादी करने जा रहे हैं। प्रोमो की शुरुआत देव और जीत की खुशी के साथ होती है, जबकि दूसरी तरफ देव और मन्नत की शादी हो रही होती है। ऐसे में ये सवाल उठता है, अगर जीत और मन्नत, जो गहरे प्यार में हैं, शादी करने वाले थे, तो मन्नत देव से कैसे शादी कर रही है? दर्शक आगे काफी ड्रामे की उम्मीद कर सकते हैं, और ये देखना दिलचस्प होगा कि मन्नत, देव और जीत की ज़िंदगी में आगे क्या होता है।

अनुपम खेर ने मुंबई के छह खास जगहों का किया दौरा

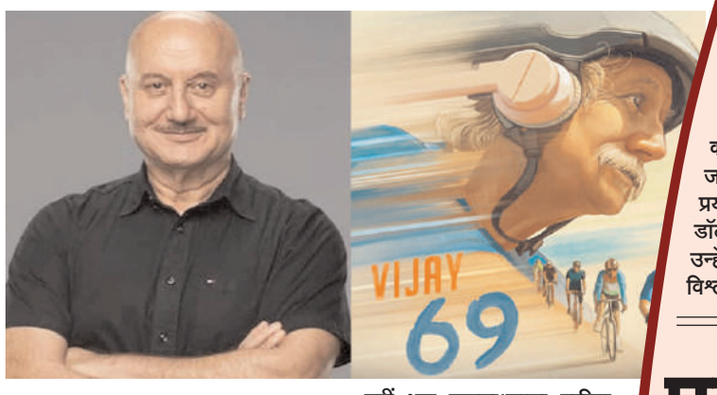

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने मुंबई के उन छह जगहों का दौरा किया जो उनकी ज़िंदगी और करियर का आधार बनीं।

अनुपम खेर ने इस साल हिंदी सिनेमा में 40 शानदार साल पूरे किए और इस मील के पत्थर को उन्होंने अपनी नई फिल्म विजय 69 के प्रचार के दौरान खास अंदाज में मनाया। नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही इस फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिल रही है।

फिल्म विजय 69 की सफलता का आनंद लेते हुए, अनुपम ने अपने करियर के शुरुआती संघर्षों को याद किया, जब वे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक स्ट्रगलिंग एक्टर के तौर पर अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान, उन्होंने मुंबई के छह खास जगहों का दौरा किया, जो उनकी ज़िंदगी और करियर के लिए बेहद अहम हैं।

अनुपम ने बताया वर्ष1981 में मैंने बांद्रा ईस्ट, खेरवाड़ी में चार लोगों के साथ रहना शुरू किया। ये मेरे संघर्ष के शुरुआती दिन थे। 1982-83 के बीच मैं शास्त्री नगर ,सांताक्रूज़ लिंकिंग रोड एक्सटेंशन में चार लोगों के साथ रहता था। फर्श पर सोते थे और पंखा तक नहीं था। मैं उन दिनों को कभी नहीं भूल सकता।कासा मारिया सेंट पॉल्स रोड, ब्रांदा पर मेरी तीसरी रहन-सहन की जगह थी। यह वही समय था जब मैं सारांश (1984) कर रहा था। तब मैं यहां पहली मंजिल पर रहता था।

अनुपम खेर ने बताया,बाल गंधर्व रंग मंदिर, बांद्रा वेस्ट, यह वह जगह है जहां मैंने जून 3, 1981 को मुंबई आने के बाद काम शुरू किया। मुझे एक एक्टिंग स्कूल में नौकरी मिली थी। लेकिन बाद में पता चला कि असल में कोई स्कूल या बिल्डिंग ही नहीं है। हम समुद्र किनारे क्लासेस लेते थे! कालूमल एस्टेट, जुहू यह मेरा पहला वन बीएचके फ्लैट था। जुहू के कालूमल एस्टेट में बी23, जिसे मैंने खरीदा।मुंबई में मैंने अपना करियर पृथ्वी थिएटर जूहू से शुरू किया। यहां सतीश कौशिक का प्ले 'उस पार का नज़ारा', जो आर्थर मिलर के प्ले 'अ व्यू फ्रॉम द ब्रिज' का अडैप्टेशन था, उस पर परफॉर्म किया। यहां मैंने अपनी पत्नी किरण खेर के साथ 'डिज़ायर अंडर द एल्म्स', 'लुक बैक इन एंगर', 'सालगिरह' और 'कुछ भी हो सकता है' जैसे प्ले किए।

प्रमुख आठ शहरों में मॉल, मुख्य बाजारों में खुदरा स्थान की मांग पांच प्रतिशत बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। इस वर्ष जनवरी-सितंबर के दौरान प्रमुख आठ शहरों में शॉपिंग मॉल और प्रमुख बाजारों में खुदरा स्थान की पट्टा गतिविधियों में लगभग पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष आठ शहरों में श्रेणी 'ए' के मॉल और मुख्य खुदरा बाजारों में पट्टा गतिविधियां जनवरी-सितंबर 2024 के दौरान 55.3 लाख वर्ग फुट थीं, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 52.9 लाख वर्ग फुट था। ये आठ शहर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद हैं।

कुशमैन एंड वेकफील्ड के प्रबंध निदेशक (पूंजी बाजार) सौरभ शतदल ने कहा, भारत की खुदरा अचल संपत्ति की वृद्धि बरकरार है। यह मॉल और मुख्य बाजारों, दोनों में मजबूत पट्टा संख्या से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विवेकाधीन खर्च में वृद्धि और उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताएं प्रीमियम खुदरा स्थानों की मांग को बढ़ा रही हैं। आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए रियल्टी कंपनी त्रेहान आइरिस के उपाध्यक्ष (पट्टा) आकाश नागपाल ने कहा कि यह वृद्धि खुदरा क्षेत्र में मजबूत सुधार और नए आत्मविश्वास को दर्शाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 01-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के डीबी रोड स्थित राजस्थानी संघ में शनिवार को नाकोड़ा ओसवाल जैन ट्रस्ट एवं नाकोड़ा तीर्थ यात्रा समिति के संयुक्त तत्वावधान में महाअन्नदानम् का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास क्षेत्र के 20 आश्रमों के बच्चों, बुर्जुगों को आयोजकों द्वारा वैन से यहां लाया गया और सुबह 11 बजे से 3 बजे तक लगभग 1200 लोगों को भोजन कराया गया। इसके लाभार्थी प्यारीदेवी चम्पालाल धारीवाल के पारसमल, सुमरेशमल, अमृतलाल, प्रकाशचन्द, पदमराज धारीवाल का आयोजकों द्वारा सम्मान किया गया।

सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में चक्रवात फेंगल के शनिवार को तट के करीब पहुंचने के पूर्व ट्रिप्लीकेन के आसपास के क्षेत्र में बारिश संबंधी एतिहयाती कार्यों की समीक्षा करने पहुंचे उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सफाई कर्मियों को ब्रेड, दूध और नाश्ता उपलब्ध कराया। इस मौके पर उनके साथ सांसद दयानिधि मारन, द्रमुक नेता चित्ररासु आदि सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

तेयुप राजाजीनगर के सदस्यों ने कन्या आश्रम में की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर शाखा के सदस्यों ने मानव सेवा के अंतर्गत श्रीरामपुरम स्थित कन्या आश्रय में कमलेश चोरड़िया परिवार के सहयोग से आश्रम में प्रवासित बच्चियों के त्रिदिवसीय यात्रा में सहयोग हेतु राशन सामग्री प्रदान की। आश्रम की 90 बच्चियों ने गीत के माध्यम से सभी का स्वागत किया। आश्रम संचालिका दीपा ने आश्रम की जानकारी प्रदान की।

इस मौके पर तेयुप मंत्री जयंतीलाल गाँधी, राजेश देरासरिया, सुनील मेहता आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कन्नड़ राज्योत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित दारा बेंद्रे गलेयारा बलगा द्वारा बंडी मां कालाम्मा देवी उत्सव एवं कर्नाटक राज्योत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में विजयनगर के विधायक एम कृष्णप्पा एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया।अनिल पोखरणा एवं अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया।

विभिन्न रचनात्मक कार्य व गतिविधियां कर मनाई गीता जयंती

माहेश्वरी भवन में हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन व गीता परिवार द्वारा गीता जयंती कार्यक्रम का आयोजन माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया । प्रारंभ में श्रीमद्भागवत गीता की पूजा की गई। संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, सचिव अर्पिता झंवर, बिमला चांडक, कान्ता काबरा, चन्द्रकला राठी, स्नेहा कामत, पद्मा कुलकर्णी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। रोमोशा इंटरनेशनल स्कूल के 50 बच्चे व समाज के बच्चों को अर्पिता झंवर ने क्राफ्ट सामग्री बनाने का प्रशिक्षण दिया।

बच्चों ने घर पर रखे अनुपयोगी सामान से उपयोगी चीज बनाना सीखा। बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भगवान कृष्ण की प्रतिमा की फोटो में रंगभर कर प्रतियोगिता में भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार दिया गया । 50 महिलाओं ने सामूहिक श्रीमद्भागवत गीता के 6 अध्याय का पाठ किया और गीता की आरती की। अर्पिता झंवर ने कार्यक्रम का संचालन किया। गायत्री मालपानी ने धन्यवाद दिया।

जीतो लेडीज विंग एपेक्स के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भोपाल। जीतो लेडीज विंग एपेक्स के पदाधिकारियों ने वर्ष 2024-26 के लिए शपथ ग्रहण की। भोपाल में आयोजित पहली बैठक में जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन शीतल दुगड़ ने अध्यक्षता की। पहले दिन एक विचार-मंथन सत्र और संगीतमय मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दूसरे दिन जीतो एपेक्स के चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी, वाइस चेयरमैन हिमांशु शाह, अध्यक्ष विजय भंडारी, उपाध्यक्ष कमलेश सोजटिया नरेंद्र श्रीश्रीमाल, महामंत्री ललितकुमार डांडी की उपस्थिति में महिला विंग को शपथ दिलवाई गई।

इस अवसर पर जीतो एपेक्स चेयरमैन पृथ्वीराज कोठारी ने महिलाओं के योगदान की अहमियत पर जोर देते हुए समाज के छोटे वर्गों तक लाभ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

भोपाल में पहली बैठक में बेंगलूरु की महिलाएं भी हुई शामिल

अध्यक्ष विजय भंडारी ने 18,000 से अधिक सदस्यों में से चुने गए 34 जीतो लेडीज विंग एपेक्स सदस्यों की उत्कृष्टता की सराहना की। सोनाली दुगड़ और शीतल दुगड़ ने संगठन की सफलता के लिए सदस्यों से एकता और सहयोग की अपील की। नई टीम ने महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज के कल्याण के लिए तत्परता से काम करने की शपथ ली। भोपाल में हुई पहली बैठक में बेंगलूरु से भी अनेक महिलाएं शामिल हुई। इस बार टीम में विभिन्न जोन और क्षेत्रों के अध्यक्ष और संयोजक शामिल हैं, जिनमें एमपीसीजी जोन से सोनाली दुगड़, ईस्ट जोन से शीतल दुगड़ और नॉर्थ जोन से सोनाली जैन प्रमुख हैं। बोर्ड बैठक में शीतल दुगड़ ने आगामी दो वर्षों के लिए कार्य योजनाओं और रणनीतिक रोडमैप को साझा किया। कोषाध्यक्ष कविता शाह ने वित्तीय योजनाओं का प्रस्तुतीकरण किया और सभी प्रोजेक्ट संयोजकों ने अपने दो साल की कार्य योजनाओं को प्रस्तुत किया। मुख्य सचिव ऋतु चोरडिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस मौके पर अनेक संगीतमय कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

हाई लाइफ ब्राइड्स की प्रदर्शनी व सेल में दिखाई देंगे लेटेस्ट ट्रेंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। फैशन की दुनिया के जाने-माने नाम हाई लाइफ ब्राइड्स की प्रदर्शनी व सेल का आगाज यहां अन्नासलाई स्थित हयात रिजेंसी में 2 दिसंबर को होगा। यह प्रदर्शनी 3 दिसंबर तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10.30 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। हाई लाइफ ब्राइड्स में 100 से ज्यादा टॉप डिजाइनर और ज्वैलर्स इस सीजन की अपनी नवीनतम पेशकश जारी करेंगे, जिनमें ब्राइडल, डिजाइनर और एथनिक वियर, ज्वैलरी, लक्ज़री एक्सेसरीज़, लक्जरी लेबल और बहुत कुछ शामिल है।

लोगों के आकर्षण का केंद्र रही यह प्रदर्शनी रचनात्मकता का जीवंत प्लेटफॉर्म है, जहां शादी के परिधान, दुल्हन के लिए जरूरी चीजों और गहनों के जाने-माने ब्रांड उपलब्ध रहेंगे। यहां प्रतिष्ठित डिजाइनरों और बुटीकों के वस्त्र, उत्कृष्ट शिल्प कौशल, शानदार कढ़ाई और अद्भुत कलाकारी का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही अग्रणी ज्वैलर्स के गहने, शानदार

डिजाइन, दुर्लभ रत्न और असाधारण शिल्प कौशल आधारित प्रॉडक्ट उपलब्ध होंगे।

यहां ढेरों विकल्प होंगे, जिनमें डिजाइनरों और आभूषण ब्रांड्स की सबसे चर्चित रेंज के लेटेस्ट ट्रेंड्स प्रदर्शित किए जाएंगे। यह आयोजन फैशन जगत में धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध होंगे।

हाई लाइफ में दिल्ली, कोलकाता, बेंगलूरु, हैदराबाद, मुंबई, दुबई, जयपुर और इंदौर के डिजाइनरों और आभूषण ब्रांड्स की सबसे पसंदीदा रेंज के लेटेस्ट ट्रेंड प्रदर्शित किए जाएंगे।

अदाणी समूह के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अमेरिका में हाल ही में लगे आरोपों और अभियोग का जवाब देते हुए शनिवार को कहा कि समूह सभी नियमों के अनुपालन को लेकर प्रतिबद्ध है और ''हर हमला समूह को मजबूत बनाता है।'' उन्होंने यहां 51वें रत्न और आभूषण पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''दो सप्ताह से भी कम समय पहले, हमें अमेरिका से नियमों के

अनुपालन के संबंध में आरोपों का सामना करना पड़ा था। यह पहली बार नहीं है जब हमें ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मैं आपको बता सकता हूं कि हर हमला हमें मजबूत बनाता है।''

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस और यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने 20 नवंबर, 2024 को गौतम अदाणी, सागर अदाणी और विनीत जैन, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के प्रमुख पदाधिकारियों के खिलाफ न्यूयॉर्क जिला अदालत में अभियोग और एक दीवानी शिकायत जारी की थी।

यह आरोप प्रतिभूति धोखाधड़ी, वायर धोखाधड़ी और एसईसी दिशा-निर्देशों के उल्लंघन से संबंधित हैं, जिसके कारण रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों के संबंध में एजीईएल के बॉन्ड ऑफरिंग दस्तावेजों में भौतिक रूप से गलत और भ्रामक बयान दिए गए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.